दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-4 अंक-292 भोपाल, शुक्रवार 3 सितंबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

मनुष्य का सबसे बड़ा यदि कोई शत्रु है तो वह है उसका अज्ञान। - चाणक्य

पंचांग

भाद्रपद कृष्णा
एकादशी, शुक्रवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:02/6:39
वर्षा/बादल %	15 %
नमी %	78 %
वायु (किमी/घं.)	06
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	31°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,710

शेयर सूचकांक

बीएसई	57852.54	+514.33
निफ्टी	17234.15	+157.90

मुख्यमंत्री ने 98 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

बुधनी में शीघ्र लगाया जायेगा फूड प्रोसेसिंग पार्क : मुख्यमंत्री चौहान

लकड़ी खिलौनों के लिये क्लस्टर बनाकर इकाइयाँ शुरू की जायेंगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बुधनी में जल्दी ही फूड प्रोसेसिंग उद्योग लगाया जाएगा। साथ ही बुधनी के लकड़ी के खिलौनों के काम को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए क्लस्टर आधारित मध्यम उद्यम प्रारंभ कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री को सीहोर जिले के बुधनी विकासखण्ड के शत-प्रतिशत टीकाकृत होने और भूमि-पूजन कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिये की सराहना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए बुधनी के नागरिकों सहित शासकीय अमले की सराहना की। उन्होंने नागरिकों को संकल्प दिलवाया कि बारी आने पर वैक्सीन का दूसरा डोज़ अवश्य लगवायें और कोरोना की संभावित तीसरी लहर रोकने में सहयोगी बनें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टीकाकरण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नागरिकों और शासकीय अमले को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना की पहली और दूसरी लहर की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी को मास्क लगाकर पूरी सावधानी बरतनी होगी।

45 करोड़ की फसल बीमा राशि के वितरण की शुरूआत की

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्ष 2019 में फसल बीमा योजना के लाभ से वंचित रहे 41 हज़ार किसानों के लिए राशि मंजूर करवा दी है। मुख्यमंत्री ने पहली किश्त में प्राप्त 45 करोड़ रुपये की राशि के वितरण की शुरुआत भी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की सरकार है। मूंग का रेट कम होने पर भी सरकार द्वारा किसानों से मूंग खरीद कर उनकी दिक्कतों को दूर किया गया।

हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का हितलाभ वितरण:- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना में 4 शासकीय सेवकों के आश्रितों श्री अमित यादव, सुश्री मंजू चौहान, श्री प्रधान सुखिया और सुश्री मंजुरी राय को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार

मीडिया का एक सेक्शन हर घटना को कम्युनल एंगल दे रहा, आखिर में इससे देश का नाम ख़राब होता है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मीडिया के एक सेक्शन में कम्युनल टोन में रिपोर्टिंग को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की रिपोर्ट्स से आखिरकार देश का नाम खराब होता है। कोर्ट ने पिछले साल दिल्ली में तबलीगी जमात की गैदरिंग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। चीफ जस्टिस NV रमना ने कहा कि समस्या यह है कि मीडिया का एक सेक्शन देश में हर एक घटना को कम्युनल एंगल से दिखा रहा है। अदालत ने सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही फेक न्यूज को लेकर चिंता जताई। साथ ही वेब पोर्टल की जवाबदेही को लेकर भी टिप्पणी की। चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि वेब पोर्टल पर किसी का नियंत्रण नहीं है। हर खबर को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश हो रही है, जो कि एक बड़ी समस्या है। चीफ जस्टिस ने कहा कि ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जजों को जवाब नहीं देते हैं और बिना किसी जवाबदेही के संस्थानों के खिलाफ लिखते रहते हैं।

बिग बॉस-13 के विनर सिद्धार्थ का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली। बिग बॉस-13 के विनर सिद्धार्थ शुक्ला का गुरुवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 40 साल के ही थे। उनके शरीर पर किसी तरह की चोट के निशान नहीं मिले हैं, लेकिन उनका पोस्टमॉर्टम कराया गया है और इसकी वीडियोग्राफी भी हुई। सिद्धार्थ के निधन की खबर से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री स्तब्ध है। उन्हें बिग बॉस विनर का खिताब देने वाले सलमान खान ने कहा कि सिद्धार्थ बहुत जल्दी चला गया। सिद्धार्थ के परिवार ने मौत को लेकर किसी तरह की आशंका जाहिर नहीं की है। सिद्धार्थ को मां रीता के साथ बुधवार शाम टहलते हुए देखा गया था। सिद्धार्थ ने बुधवार रात सोने से पहले कुछ दवाएं ली थीं। रात करीब 3 बजे उन्हें बेचैनी हुई और उन्होंने मां रीता से पानी मांगा। उन्हें बताया कि ठीक नहीं लग रहा है। इसके बाद सिद्धार्थ सोने चले गए। सुबह जब मां ने जगाने की कोशिश की तो वे नहीं जागे। मां ने बेटी प्रीति को फोन किया, जो अपने पति के साथ आईं और इसके बाद सिद्धार्थ को कूपर अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भारत समेत दुनिया के कई देशों में इंस्टाग्राम डाउन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत समेत दुनिया के कई देशों में इंस्टाग्राम डाउन हो गया है। इंस्टा, वॉट्सऐप और फेसबुक के साथ अपना सर्वर शेयर करता है, लेकिन ये दोनों एप अभी ठीक काम कर रहे हैं। कई इंस्टाग्राम यूजर्स अपने एंड्रॉयड और ब्ल्हस डिवाइस पर एप लोड नहीं कर पा रहे हैं। डाउन डिटेक्टर ने भी इंस्टाग्राम के डाउन होने की पुष्टि की है। डाउन डिटेक्टर पर 46 फीसदी यूजर्स ने मोबाइल एप में दिक्कत को लेकर, 31 फीसदी ने वेबसाइट और 24 फीसदी ने सर्वर कनेक्शन को लेकर शिकायत की है। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने क्कके

बिजनौर की रहने वाली एसिड अटैक सर्वाइवर बाला प्रजापति को इलाज के लिए 10 लाख रुपए दिए हैं। 25 साल की बाला इस समय जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही हैं। उसकी दोनों किडनी फेल हो गई है। वह डायलिसिस पर हैं, लेकिन किडनी ट्रांसप्लांट के बिना जीवित रहना मुश्किल होगा। उनका इलाज दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में चल रहा है। ट्रांसप्लांट के लिए 16 लाख रुपए की जरूरत है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पुलिस एक ही घटना के लिए पांच स्न्ढ्ढक्रदर्ज नहीं कर सकती। कोर्ट ने दिल्ली दंगों के दौरान एक परिसर में लूटपाट और आगजनी के मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

आतंकी गतिविधियों के लिए न हो अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल : भारत

» एयरपोर्ट शुरू होते ही फंसे लोगों को निकालेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

काबुल एयरपोर्ट से फ्लाइट ऑपरेशन शुरू होने पर भारत एक बार फिर से अपने लोगों को वहां से निकालेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए इसकी जानकारी दी है। बागची ने बताया कि वर्तमान में काबुल हवाई अड्डा चालू नहीं है। ऑपरेशन फिर से शुरू होते ही हम काबुल से लोगों को निकालने के लिए अपना अभियान शुरू करेंगे। अफगानिस्तान में किस तरह की सरकार बनेगी? इस सवाल पर बागची ने कहा कि हम अटकलें नहीं लगा

सकते। अफगानिस्तान में किस तरह की सरकार बन सकती है, इसके बारे में हमारे पास कोई ठोस जानकारी नहीं है। तालिबान से भारत की अगली बातचीत के रोडमैप के सवाल पर बागची ने बताया कि यह हां और ना की बात नहीं है। हमारा उद्देश्य है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी भी तरह की आतंकी गतिविधियों के लिए न हो।

काबुल एयरपोर्ट से उड़ानें जल्द शुरू होने की उम्मीद

अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत के बीच काबुल एयरपोर्ट से उड़ानें जल्द शुरू होने की उम्मीद है। कतर से आई एक टेक्निकल टीम आतंकी हमले से एयरपोर्ट पर हुए नुकसान का जायजा ले रही है। बता दें 31 अगस्त को अमेरिकी सेना के काबुल एयरपोर्ट से कब्जा छोड़ने के बाद वहां से उड़ानों का संचालन बंद है। अमेरिका समेत दूसरे देश काबुल एयरपोर्ट से सेना के विमानों से अपने-अपने लोगों को एयरलिफ्ट कर रहे थे, लेकिन 31 अगस्त से काबुल एयरपोर्ट तालिबान के कब्जे में है।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 45975 केस आए

8 दिन में 7 बार 40 हजार के पार रहा आंकड़ा; 9 दिन में करीब 70 हजार एक्टिव केस बढ़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में कोरोना के केस में लगातार बढ़त नजर आ रही है। बुधवार को 45,975 नए मरीज मिले। 35,091 ठीक हुए और 507 की मौत हो गई। इस तरह एक्टिव केस में 10,365 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बीते 8 दिन में 7 बार 40 हजार से ज्यादा नए केस आए हैं, जबकि 9 दिन में इलाज करा रहे मरीज, यानी एक्टिव केस करीब 70 हजार बढ़े हैं। 23 अगस्त को 3.13 लाख एक्टिव केस थे, जो अब 3.82 लाख हैं।

केरल:- यहां बुधवार को 32,803 लोग संक्रमित पाए गए। 21,610 लोग ठीक हुए और 173 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 40.90 लाख लोग संक्रमण की

चपेट में आ चुके हैं। इनमें 38.38 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 20,961 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 3.82 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र:- यहां बुधवार को 4,456 लोग संक्रमित पाए गए। 4,430 लोग ठीक हुए और 183 की मौत हो गई। यहां अब तक 64.69 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 62.77 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.37 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 51,078 मरीजों का इलाज चल रहा है।

छत्तीसगढ़

राज्य में बुधवार को 31 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। 52 लोग ठीक हुए। अब तक 10.04 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 9.90 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 13,555 लोगों की मौत हो चुकी है। 391 मरीज ऐसे हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

उत्तर प्रदेश

यहां बुधवार को 16 लोग संक्रमित पाए गए। 20 लोग ठीक हुए और 2 की मौत हुई। अब तक राज्य में 17.09 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 16.86 लाख ठीक हो चुके हैं, जबकि 22,825 मरीजों ने दम तोड़ दिया। यहां 250 मरीजों का इलाज चल रहा है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

अडाणी फिर एशिया के दूसरे और दुनिया के 14 वें सबसे अमीर बिजनेसमैन बने, मुकेश अंबानी टॉप पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी एक बार फिर एशिया के दूसरे सबसे अमीर बिजनेसमैन बन गए हैं। साथ ही वे दुनिया में 14वें सबसे अमीर बिजनेसमैन हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एशिया में पहले और दुनिया में 12वें नंबर के सबसे अमीर बिजनेसमैन हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की 1 सितंबर को आई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार अमेजन के जेफ बेजोस अभी भी दुनिया में पहले नंबर पर हैं। उनकी संपत्ति 200 अरब डॉलर से अधिक है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क 199 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अरबपतियों की लिस्ट में मुकेश अंबानी की संपत्ति 6.55 लाख करोड़ रुपए

शेयर्स की कीमतों में गिरावट से अडाणी की रैंकिंग घटी थी

थी। गौतम अडाणी की संपत्ति 5.24 लाख करोड़ रुपए थी।

पैसा कमाने में अडाणी हैं आगे

अंबानी रैंकिंग में भले ही अडाणी से आगे हैं, पर पैसा कमाने में अडाणी ने अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। अडाणी ने जो पुरानी रैंकिंग फिर से हासिल की है, उसका कारण उनकी कंपनियों के शेयरों में तेजी है। उनकी तीन कंपनियों अडाणी पावर, अडाणी गैस और अडाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में पिछले 10 दिनों से अच्छी तेजी है। अडाणी ट्रांसमिशन का शेयर रोज 5 फीसदी अपर सर्किट के साथ बंद हो रहा है। इसने गुरुवार को 1 साल का नया हाई बनाया है। गुरुवार को यह 1,735 रुपए पर चला गया। इससे पहले इसका हाई 1,682 रुपए था।

अडाणी पावर का शेयर 5 फीसदी के अपर सर्किट पर

अडाणी पावर भी 5 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 108 रुपए पर पहुंच गया है। अडाणी गैस 1,490 और अडाणी एंटरप्राइज 1,588 रुपए पर पहुंच गया है। यह सभी शेयर 14 जून के बाद से लगातार गिरावट में थे। इन शेयरों की कीमतें 40-50 फीसदी तक गिर गई थीं।

विदेशी निवेशकों का पैसा फ्रीज किए जाने की खबर से गिरा शेयर

जून में अडाणी ग्रुप की कंपनियों में तीन विदेशी निवेशकों के निवेश को फ्रीज किए जाने की खबर आई थी। इसी के बाद से अडाणी की कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। तब इस वजह से अडाणी दुनिया के अमीरों की रैंकिंग में 14 वें से 19 वें नंबर पर खिसक गए थे। उस समय उनकी संपत्ति 4.52 लाख करोड़ रुपए हो गई थी। कोरोना के दौरान पैसा कमाने के मामले में अडाणी आगे रहे हैं। अडाणी की संपत्ति 8.29 गुना बढ़ी, जबकि मुकेश अंबानी की संपत्ति 1.15 गुना बढ़ी।

जल जीवन मिशन में 2521 करोड़ से अधिक की योजनायें स्वीकृत

ग्रामीण आबादी को नल कनेक्शन से जल प्रदाय के लिए खर्च होगी राशि

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं के लिए 2521 करोड़ 23 लाख 44 हजार रुपये की स्वीकृति जारी गई है। विभाग के मैदानी अमले द्वारा जल जीवन मिशन के मापदण्डों के अनुसार प्रक्रिया प्रारम्भ की जा रही है। प्रदेश की ग्रामीण आबादी शुद्ध पेयजल के लिए परेशान न हो, इसके लिए जल जीवन मिशन में तेजी से कार्य जारी हैं। जहाँ जलस्त्रोत हैं, वहाँ उनका समुचित उपयोग कर आसपास के ग्रामीण रहवासियों को पेयजल प्रदाय किया जायेगा। जिन ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्त्रोत नहीं हैं वहाँ नये जल स्त्रोत निर्मित किए जायेंगे। ग्रामीण परिवारों के लिए पेयजल की व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रदेश की समग्र ग्रामीण आबादी को घरेलू नल कनेक्शन से पेयजल की आपूर्ति किए जाने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल संरचनाओं की स्थापना एवं विस्तार के कार्य किए जा रहे हैं। स्वीकृत 2521 करोड़ रूपये से अधिक की राशि में 45 जिलों की जलप्रदाय योजनायें शामिल हैं। इन जिलों के लिए नवीन योजनाओं के साथ ही विभिन्न ग्रामों में पूर्व से निर्मित पेयजल अधोसंरचनाओं को नये सिरे से तैयार कर रेट्रोफिटिंग के अन्तर्गत भी कार्य किया जा रहा है।

24X7 फोन पर उपलब्ध हैं बिजली कार्मिक

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निरंतर विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिए कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के बिजली कार्मिकों को मुख्यालय पर रहने एवं 24ङ्ग7 अपने फोन चालू रखने के निर्देश जारी किए गये हैं। गौरतलब है कि कंपनी के संज्ञान में आया है कि बारिश, आँधी, तूफान एवं अन्य आकस्मिक परिस्थितियों आदि के कारण विद्युत लाइनों में खराबी आने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने की संभावना होती है। इस दौरान उपभोक्ताओं में असंतोष के साथ शिकायतों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने जिलों के मैदानी अमले के साथ विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था से जुड़े नियमित/संविदा/सेवाप्रदाता कार्मिकों को डयूटी समाप्ति के उपरांत भी अपने मुख्यालय पर रहने तथा अवकाश के दौरान भी अपना मोबाइल फोन 24ङ्ग7 चालू रखने के निर्देश जारी किए हैं। कंपनी ने बताया है कि किसी भी अधिकारी-कर्मचारी का मोबाइल यदि विशेष कारणों से बंद भी होता है तो वे अन्य संपर्क सूत्र से अपने नियन्त्रणकर्ता अधिकारी को अवगत करायेंगे तथा नियन्त्रणकर्ता अधिकारी की अनुमति के बिना कोई भी कार्मिक मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। कंपनी ने कहा है कि यदि कोई भी कर्मचारी निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट उद्यान में रोपा करंज का पौधा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज जौरा विधायक श्री सूबेदार सिंह राजोधा तथा सारंगपुर विधायक श्री कुंवर सिंह कोठार के साथ स्मार्ट सिटी उद्यान में करंज का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रति दिन पौधरोपण करते हैं। करंज का पौधा आयुर्वेदिक चिकित्सा में महत्वपूर्ण माना गया है। करंज के पौधे का इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में भी किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

प्रभारी मंत्री श्रीमती सिंधिया ने माँ बगुलामुखी के दर्शन किए

भोपाल। आगर-मालवा जिला प्रभारी मंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने गुरूवार को जिले के प्रथम प्रवास पर नलखेड़ा स्थित माँ बगुलामुखी माता मंदिर पहुँचकर दर्शन किए तथा विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार से माँ बगुलामुखी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता के सुख-समृद्धि एवं जन-कल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री चंदन मित्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा वरिष्ठ पत्रकार श्री चंदन मित्रा के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री मित्रा ने अपने बौद्धिक और गहन विश्लेषण के आधार पर राजनीति के साथ-साथ मीडिया में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री मित्रा के अवसान पर शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिवार के सदस्यों व परिचितों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

खैरवुड का अवैध व्यापार करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के मुख्य आरोपी को हुई जेल

भोपाल। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। देवास जिले में स्थित खिवनी वन्य अभयारण्य में खैरवुड का अवैध व्यापार के मुख्य आरोपी को विशेष न्यायालय इंदौर के आदेश के बाद जेल भेज दिया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) श्री आलोक कुमार ने बताया कि वन अपराध क्र. 28060/19 दिनांक 21 जनवरी, 2020 में प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई में एक अंतर्राज्यीय गिरोह के लिप्त होने के साक्ष्य मिलने पर हरियाणा राज्य के सोनीपत निवासी मुख्य आरोपी को पकड़ा गया था।

केन-बेतवा परियोजना के प्रस्ताव मंजूरी और आपदा राहत मद से राशि आवंटन का अनुरोध

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री शेखावत से मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने की सौजन्य भेंट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से दिल्ली स्थित उनके आवास पर सौजन्य भेंट की। चर्चा के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय मंत्री से केन-बेतवा परियोजना के संबंध में जल्द कार्रवाई शुरू करने और अतिवृष्टि से नहरों को हुए नुकसान के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक राशि के आवंटन और मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री सिंचाई परियोजना, कमांड क्षेत्र परियोजना, राज्य मोचन निधि से राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि केन-बेतवा परियोजना केंद्र सरकार के लिए भी महती परियोजना है। इसे पूरा करने के लिए प्रस्ताव तैयार हो गया है। केबिनेट की मंजूरी के पश्चात कार्यवाही शुरू कर दी जाएगी।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि अति वर्षा के कारण डैम और नेहरों को काफी क्षति हुई है, इसका आकलन कर रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी गई है। मंत्री श्री सिलावट ने राज्य आपदा मोचन निधि से 279 करोड़ की राशि आवंटन की मांग रखी जिससे रबी की फसल में किसानों को पानी उपलब्ध कराया जाना संभव हो सके। उन्होंने बताया कि समय पर कार्य शुरू होने से क्षेत्र के किसानों को फसल बुआई और सिंचाई के लिए भी पानी उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

जल संसाधन मंत्री ने अपने विभाग से संबंधित प्रस्ताव भी केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री को दिये, प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त 63 लघु सिंचाई योजनाओं के त्वरित सिंचाई लाभ योजना (ए.आई.बी.पी.) के प्रस्ताव केन्द्रीय जल आयोग को भी प्रस्तुत किये गए हैं। इन 63 लघु सिंचाई योजनाओं की कुल लागत 35,960 लाख रूपये है। योजनाओं का कार्य पूर्ण होने पर 18,580 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित किए जाने का लक्ष्य है।

मंत्री श्री सिलावट ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हर खेत को पानी% भूजल के क्रियान्वयन हेतु राशि उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अन्तर्गत भू-जल स्त्रोतों से सिंचाई हर खेत को पानी योजना में मध्यप्रदेश के 5 जिले मण्डला, डिण्डोरी, शहडोल, उमरिया एवं सिंगरौली के लघु एवं सीमांत कृषकों को नलकूप/ कूप द्वारा सिंचाई उपलब्ध कराई जानी है। योजना की कुल लागत 1706 करोड़ रूपये है, जिसमें केन्द्र एवं राज्य शासन का अंश 60~40 प्रतिशत है। जल शक्ति मंत्री श्री शेखावत ने उक्त सभी प्रस्तावों पर तुरंत कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रीकृष्ण सरल को नमन किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रीकृष्ण सरल की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास के सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। श्रीकृष्ण सरल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कवि एवं लेखक थे। भारतीय क्रांतिकारियों पर उन्होंने अनेक पुस्तकें लिखीं, जिनमें पन्द्रह महाकाव्य हैं। सरल जी का सम्पूर्ण लेखन भारतीय क्रांतिकारियों पर केन्दित है। मध्यप्रदेश की साहित्य अकादमी द्वारा प्रति वर्ष श्रीकृष्ण सरल के नाम पर कविता के लिए श्रीकृष्ण सरल पुरस्कार प्रदान किया जाता है। श्रीकृष्ण सरल जी का जन्म एक जनवरी 1919 को मध्यप्रदेश के अशोक नगर में हुआ। वे अध्यापक के पद से निवृत्त होकर आजीवन साहित्य-साधना में रत रहे। जीवन के उत्तरार्ध में सरल जी ने आध्यात्मिक चिन्तन से प्रभावित होकर तीन महाकाव्य-तुलसी मानस, सरल रामायण एवं सीतायन लिखे। सरल जी का निधन 2 सितम्बर 2000 को हुआ।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी आवली घाट पर निर्मित उच्च स्तरीय पुल का लोकार्पण किया।

ओलिंपियन विवेक सागर बने क्रिस्प के स्पोर्टस प्रमोटिंग ब्रांड एम्बेसडर

श्री विवेक ने क्रिस्प के DMIT सॉफ्टवेयर का किया शुभारंभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

क्या हमें अपनी स्वाभाविक जन्मजात प्रतिभाओं, क्षमताओं और शक्तियों की जानकारी है? क्या हम अपनी प्रतिभाओं के प्रति सजग है? केन्द्रीय सेंटर फॉर रिर्सच एण्ड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉरमेस क्रिस्प द्वारा ऐसे ही एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है जिसकी मदद से फिंगर प्रिंट के द्वारा व्यक्तिव विशलेषण किया जा सकता है। गुरूवार को प्रदेश के ओलिंपिक हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक सागर ने श्यामला हिल्स स्थित क्रिस्प संस्थान में डरमैटोगलाइफिक्स मल्टिपल इंटेलीजेन्स टेस्ट सॉफ्टवेयर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री विवके सागर का फिगंर प्रिंट के माध्यम से ब्रेन मेंपिग भी किया गया। ओलिंपियन श्री विवेक सागर के सम्मान में गुरूवार को आयोजित कार्यक्रम में क्रिस्प संस्थान ने उन्हें स्पोटर्स प्रमोटिंग ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया।

सम्मान हमेशा मोटिवेट करता है

ओलिंपियन हॉकी खिलाड़ी श्री विवेक सागर ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए सम्मान हमेशा प्रोत्साहित करता है। हर क्षेत्र में शुरूआत में मुश्किलें आती है, लेकिन परिवार का सहयोग, प्रोत्साहन और खुद में कुछ कर गुजरने का जूनून सफलता की राह दिखाता है। श्री विवेक ने कहा कि क्रिस्प संस्थान द्वारा तैयार की गई नई आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक (ष्ठरूढ्ढञ्ज) अब प्रदेश में नए टैलेंट को निखारने के मददगार साबित होगी। वर्तमान में प्रदेश खेलों के क्षेत्र में आगे है और खेल विभाग में खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाओं के साथ आधुनिक तकनीकों से लैस हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है। क्रिस्प द्वारा शुरू किए गए (ष्ठरूढ्ढञ्ज) सॉफ्टवेयर से छोटी उम्र के बच्चों को खेल में रूचि और उनकी क्या क्वालिटी है पता लग सकेगा।

स्पोटर्स एक बड़ी इंडस्ट्री है

क्रिस्प सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. श्रीकान्त पाटिल ने कहा कि स्पोटर्स एक बड़ी इंडस्ट्री है। भारत युवाओं का देश है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश की अवधारणा को पूरा करने में युवा शक्ति का सकारात्मक सहयोग आवश्यक है। उन्होंने ओलिंपियन श्री विवेक सागर को सम्मानित करते हुए कहा कि विवेक आज यूथ ऑइकन बन गए है। उनकी लगन और मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है।

न्यूज ब्रीफ

रिलायंस नेवल के लिए हेजल की सबसे ऊंची बोली

मुंबई। मुंबई की कंपनी हेजल मर्केंटाइल रिलायंस नेवल ऐंड इंजीनियरिंग (आरएनईएल) के लिए सबसे बड़ी बोलीदाता बनकर उभरी है। हेजल ने रिलायंस नेवल के लिए करीब 2,100 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। इसके साथ ही उसने दो अन्य बोलीदाताओं नवीन जिंदल समूह और दुबई की जीएमएस को अधिग्रहण की दौड़ में पीछे छोड़ दिया। नवीन जिंदल समूह ने रिलायंस नेवल के लिए करीब 400 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। जीएमएस ने इससे भी कम करीब 200 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी। रिलायंस नेवल के ऋणदाताओं की समिति ने आज हुई बैठक में सभी चार बोलीदाताओं की बोलियों को वैध माना और वह आगे बेहतर पेशकश के लिए बातचीत शुरू करेगी। घटनाक्रम के जानकार सूत्रों ने कहा कि संबंधित पक्षों से बोलियों पर मोलभाव करने के बाद उनकी पेशकश पर वोटिंग की जाएगी। रिलायंस नेवल ऐंड इंजीनियरिंग को 8,000 करोड़ रुपये के कर्ज भुगतान में चूक करने के कारण ऋण समाधान में भेजा गया था। सौदे से जुड़े एक ऋणदाता ने कहा कि कर्ज इससे कम हो सकता था, अगर कंपनी भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओएनजीसी के अपने ऑर्डर पूरे करती। ओएनजीसी ने 2009-10 में कंपनी को 12 ऑफशोर जलपोतों का ऑर्डर दिया था। इनमें से 2015-16 तक केवल सात जलपोतों की आपूर्ति की गई है। इसके बाद ओएनजीसी ने अपना ऑर्डर रद्द कर दिया और वित्त वर्ष 2018-19 में सभी बैंक गारंटी को भुना लिया। इससे कंपनी पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ गया। कंपनी द्वारा ओएनजीसी के खिलाफ मध्यस्थता याचिका दायर की गई थी जो अभी लंबित है। कंपनी को पिछले साल जनवरी में आईडीबीआई बैंक द्वारा ऋण समाधान में भेजा गया था। उसके बाद से कंपनी दिवालिया प्रक्रिया का सामना कर रही है। रिलायंस नेवल पर बैंकों ने कुल 12,429 करोड़ रुपये का दावा किया है, जिसमें ब्याज भी शामिल है।

'मिस्क्यूज' से कॅरिअर को खतरा : इसके कारण हर 4 में से एक की नौकरी जा रही, जूम इंक के लिए व्योप्ता ने 200 बड़ी कंपनियों के मैनेजर्स के बीच सर्वे किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वर्चुअल मीटिंग के दौरान अब किसी भी तरह का 'मिस्क्यूज' आपके कॅरिअर के लिए खतरा बन सकता है। 'मिस्क्यूज' का तात्पर्य वर्चुअल मीटिंग में देर से जुड़ना, खराब इंटरनेट कनेक्शन का बहाना, गलती से संवेदनशील जानकारी को साझा करना और यह नहीं जानना कि कब खुद को 'म्यूट' करना है। जूम वीडियो कम्यूनिकेशंस इंक द्वारा व्योप्ता इंक के माध्यम से हाल में करवाए गए एक सर्वे के मुताबिक मीटिंग में 'मिस्क्यूज' के कारण अधिकांश मैनेजरों

'मिस्क्यूज' का मतलब वर्चुअल मीटिंग में देर से जुड़ना और खराब इंटरनेट कनेक्शन का बहाना जैसी चीजों से है

मीटिंग में 'मिस्क्यूज' के कारण अधिकांश मैनेजरों ने अपने 4 में से 1 एक्जीक्यूटिव को नौकरी से निकाल दिया

ने अपने 4 में से 1 एक्जीक्यूटिव को नौकरी से निकाल दिया। 200 प्रतिष्ठित कंपनियों के मैनेजरों के बीच यह सर्वे किया गया, जिसका मकसद यह जानना था कि कंपनियों को उनके कार्यस्थल पर संचार प्रणालियों से कितनी मदद मिल रही है और इसके प्रबंधन में यह कितनी कारगर है। सर्वे में पाया गया कि अधिकारी दूर से काम करते समय प्रभावी ढंग से प्रदर्शन करने के लिए अपने एक तिहाई कर्मचारियों पर पूरी तरह भरोसा नहीं करते हैं। सर्वे में पाया गया कि ज्यादातर लोग कोरोना महामारी में अभी भी दफ्तर न जाकर दूर से ही काम करना पसंद कर रहे हैं। जूम कॉल में साल 2019 से पहले 1 करोड़ लोग जुड़ते थे, जबकि महामारी के बाद रोजाना 30 करोड़ लोग इससे जुड़ रहे हैं। ये आंकड़े इस बात को साबित करते हैं कि कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की दफ्तर वापसी की योजना स्थगित कर दी है। यही वजह है कि पिछले दिनों जूम पर वर्चुअल मीटिंग के दौरान गैर जिम्मेदाराना व्यवहार करने वालों को नौकरी से निकाल दिया गया। इनमें न्यू यॉर्कर पत्रिका के लेखक जेफरी टोबिन भी शामिल थे। कंपनी ने इस मामले को जानबूझकर प्रचारित किया ताकि दूसरे लोग सबक ले सकें। सर्वे में पाया गया कि स्लिप-अप यानी कब क्या नहीं बोलना है, व्यवसायों को नुकसान पहुंचा सकता है। फिर भी ज्यादातर कंपनियों के अधिकारी घर से काम करने का समर्थन कर रहे हैं। दरअसल, जूम वीडियो कम्युनिकेशंस इंक के शेयरों में मंगलवार को लगभग 16 फीसदी की गिरावट आई थी। इसके मद्देनजर एक दिन बाद कंपनी ने सर्वे का यह निष्कर्ष जारी किया। अमेरिका में ज्यादातर बड़ी टेक कंपनियां अभी भी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करवा रही हैं।

अमेजन ने किसानों के लिए लॉन्च किया मोबाइल ऐप, कई तरह की जानकारी देगा

देश के कृषि सेक्टर में कॉर्पोरेट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एक बयान में अमेजन ने कहा कि उसका मोबाइल ऐप अलर्ट प्रदान कर मिट्टी, कीट, मौसम, बीमारी और अन्य फसल से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी देने वाला है - छ्ड्डद्बठ्ठद्व क्द्धड्डह्यद्मड्डड्ढ एक बयान में अमेजन ने कहा कि उसका मोबाइल ऐप अलर्ट प्रदान कर मिट्टी, कीट, मौसम, बीमारी और अन्य फसल से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी देने वाला है अमेजन ने देश के कृषि सेक्टर में दांव आजमाने की योजना शुरू की है। इसने किसानों के लिए ऐप लॉन्च किया है। इसका फोकस कृषि की फसल को ज्यादा से ज्यादा सुरक्षित करने का है।

अमेजन का कृषि सेक्टर में पहला कदम

देश के कृषि सेक्टर में अमेजन का यह पहला कदम है। हालांकि इस सेक्टर में टाटा, रिलायंस और फ्लिपकार्ट भी पहले से ही फोकस कर रहे हैं। अमेजन ने किसानों को फसलों पर अपना निर्णय लेने में मदद करने की बात कही है। यहां तक कि मशीन सीखने की तकनीक को लागू करने में भी वह मदद करेगी। इसके लिए किसानों को समर्पित मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप के माध्यम से सही समय के बारे में जानकारी दी जा रही है।

मोबाइल ऐप में कई अलर्ट मिलेंगे

एक बयान में अमेजन ने कहा कि उसका मोबाइल ऐप अलर्ट प्रदान कर मिट्टी, कीट, मौसम, बीमारी और अन्य फसल से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी देने वाला है। यह फलों और सब्जियों में दोषों का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम भी प्रदान कर सकता है। इसके साथ ही यह किसानों को अमेजन फ्रेश फुलफिलमेंट सेंटर्स तक ट्रांसपोर्ट के लिए उत्पादों की छंटाई, ग्रेडिंग और पैकिंग में मदद करेगी। सिंघल ने कहा कि इस तरह के प्रयास में समय लगता है। इसका पूरा मिलने में सालों लग सकते हैं।

ई-कॉमर्स में वृद्धि को अनलॉक करने की योजना

टेक्नोपैक एडवाइजर्स के चेयरमैन अरविंद सिंघल ने कहा कि जब तक अमेजन, वॉलमार्ट, रिलायंस और अन्य कृषि सप्लाई चेन में अपनी पैठ नहीं बना पाते, वे ई-कॉमर्स में बड़ी वृद्धि को अनलॉक नहीं कर सकते। किसानों के साथ मजबूत संबंध बनाकर जमीनी स्तर पर उनका गुडविल हासिल करने से उन्हें हर लिहाज से मदद मिलेगी।

अत्याधुनिक तकनीक से होगी मदद

अमेजन ने इस प्रोग्राम को रिएक्टिव और प्रोएक्टिव क्रॉप प्लान का नाम दिया है। यह प्रोग्राम उत्पादकों को अत्याधुनिक तकनीक और समझ प्रदान करने का वादा करता है। इसके साथ ही अमेजन उन कॉर्पोरेट दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गई है जो चीन के बाद दुनिया की सबसे बड़ी वार्षिक फलों और सब्जियों की फसल का दोहन करने की उम्मीद कर रहा है। इसके साथ ही यह रिलायंस इंडस्ट्रीज, फ्लिपकार्ट और टाटा समूह के क्लब में भी शामिल हो गई है।

टाटा ने बिग बास्केट को खरीदा है

टाटा ने हाल में ऑनलाइन ग्रॉसरी बिगबास्केट का अधिग्रहण किया है। इन सबका लक्ष्य छोटे किसानों के प्रभुत्व वाले उद्योग को आधुनिक बनाने में उनकी मदद करना है। साथ ही तापमान नियंत्रित गोदामों (2ड्डह्म्द्ग-द्धशह्वह्यद्गह्य) और रेफ्रिजेरेटेड ट्रकों जैसे नए बुनियादी उपकरण हासिल कर उनके व्यवसायों को बढ़ावा देना है। भारतीय ऑनलाइन कॉमर्स इंडस्ट्री पर अपना दबदबा बनाने के लिए फल, सब्जियों और अन्य किराने के सामान के फ्लो को बनाए रखना एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है।

लोगों को रास आ रही अटल पेंशन योजना

2021-22 में इससे अब तक 28 लाख लोग जुड़ चुके हैं

इसके तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1000 से लेकर 5000 रुपए की पेंशन मिलती है

इस योजना में पेंशन पाने के लिए कम से कम 20 साल निवेश करना होता है

इससे 25 अगस्त 2021 तक जुड़ चुके हैं 3.30 करोड़ लोग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र सरकार की अटल पेंशन योजना लोगों को खूब रास आ रही है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी PFRDA के अनुसार 25 अगस्त तक देश में अटल पेंशन योजना से जुड़ने वालों की संख्या 3.30 करोड़ पर पहुंच गई है। आंकड़े के मुताबिक जारी वित्त वर्ष यानी 2021-22 में इससे 28 लाख लोग जुड़ चुके हैं। राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा टॉप राज्यों में शामिल हैं। इन राज्यों में 25 अगस्त तक 10 लाख से ज्यादा लोग इस स्कीम से जुड़े हैं।

युवाओं और महिलाओं को रास आ रही स्कीम फीसदी - 78 फीसदी लोग ऐसे हैं जिन्होंने 1,000 रुपए की पेंशन स्कीम चुनी है। 14 फीसदी लोग ऐसे हैं जिन्होंने 5,000 रुपए प्रति माह की पेंशन चुनी है। स्कीम लेने वालों में 44 फीसदी महिलाएं हैं और 44 फीसदी मेंबर ऐसे हैं जो युवा हैं। ये लोग 18-25 साल की आयु वर्ग में हैं।

क्या है अटल पेंशन योजना ? अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1000 से लेकर 5000 रुपए की पेंशन मिलती है। इसमें 18 साल से 40 साल तक का व्यक्ति इसमें निवेश कर सकता है। कोई शख्स इस स्कीम को लेता है तो उसे कम से कम 20 साल निवेश करना होगा। स्कीम में शामिल होने के लिए सेविंग बैंक अकाउंट, आधार और एक्टिव मोबाइल नंबर का होना जरूरी है।

निफ्टी नए शिखर पर बंद

निफ्टी ने 17245 का रिकॉर्ड बनाया, सेंसेक्स 500 पॉइंट चढ़ा; IT शेयर्स का जलवा बरकरार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वीकली एक्सपायरी के दिन बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान निफ्टी ने 17,245 का नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स 514 पॉइंट चढ़कर 57,852 पर और निफ्टी 158 पॉइंट की बढ़त के साथ 17,234 पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स 57,423 पर और निफ्टी 17,095 पर खुला था। कारोबार के दौरान बाजार में जमकर खरीदारी हुई। सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयर्स तेजी के साथ जबकि 8 शेयर्स कमजोरी के साथ बंद हुए। जिसमें TCS के शेयर 3.34 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं रूरू के शेयर में 2.29 फीसदी की गिरावट रही। BSE पर 3,340 शेयर्स में कारोबार हुआ। जिसमें 1,982 शेयर्स बढ़त के साथ और

1,207 शेयर्स लाल निशान पर बंद हुए। इसी के साथ क्चस्श्व पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 252.67 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। इससे पहले बुधवार को सेंसेक्स 214 पॉइंट गिरकर 57,338 पर और निफ्टी 56 पॉइंट फिसलकर 17,076 पर बंद हुआ था।

BSE पर कारोबार के दौरान 224 शेयर्स 52 हफ्ते के ऊपरी स्तर पर और 21 शेयर्स 52 हफ्ते के निचले स्तर पर कारोबार करते दिखे। इसके अलावा 362 शेयर्स में अपर सर्किट लगा तो वहीं 184 शेयर्स में लोअर सर्किट लगा।

अमेरिका के शेयर बाजार के हाल

इससे पहले अमेरिका के शेयर बाजार में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। डाओ जोंस 0.14 फीसदी की कमजोरी के साथ 35,312 पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.33 फीसदी चढ़कर 15,309 और S&P 500 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 4,524 पर बंद हुआ।

डेवलपरों को आवासीय बिक्री 30 फीसदी बढ़ने की आस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

कोविड-19 की तीसरी लहर की चिंता के बावजूद रियल एस्टेट डेवलपर त्योहारी सीजन में आवासीय बिक्री में 25 से 30 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। कुछ राज्यों में स्टांप शुल्क में कटौती, कम ब्याज दरों, छूट एवं ऑफर, वर्क फ्रॉम होम के लिए बड़े मकानों की मांग आदि वजहों से पिछले कुछ महीनों से बिक्री में अच्छा रुझान बना हुआ है। प्रॉपर्टी डेवलपरों के लिए पिछले साल का त्योहारी सीजन अच्छा नहीं रहा था क्योंकि महामारी का आवासों की बिक्री पर बुरा असर पड़ा था। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि कुल मिलाकर रुझान काफी सकारात्मक है। हमारी हमेशा से इस अवधि में अच्छी बिक्री रही है, जिससे साल बेहतर बिक्री के साथ समाप्त होता है। हम भौगोलिक क्षेत्रों के आधार पर बाजार में आकर्षक परियोजनाएं ला रहे हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज के चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने हाल में एक विज्ञप्ति में कहा कि महामारी की दूसरी लहर के कारण कंपनी की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही में 68 फीसदी घटी हैं, लेकिन वह वित्त वर्ष की शेष अवधि में तगड़ी बिक्री की उम्मीद कर रही है। टाटा रियल्टी ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक संजय दत्त ने कहा, हमारा अनुमान है कि पहली और दूसरी तिमाही के मुकाबले मांग 25 से 30 फीसदी बढ़ेगी।

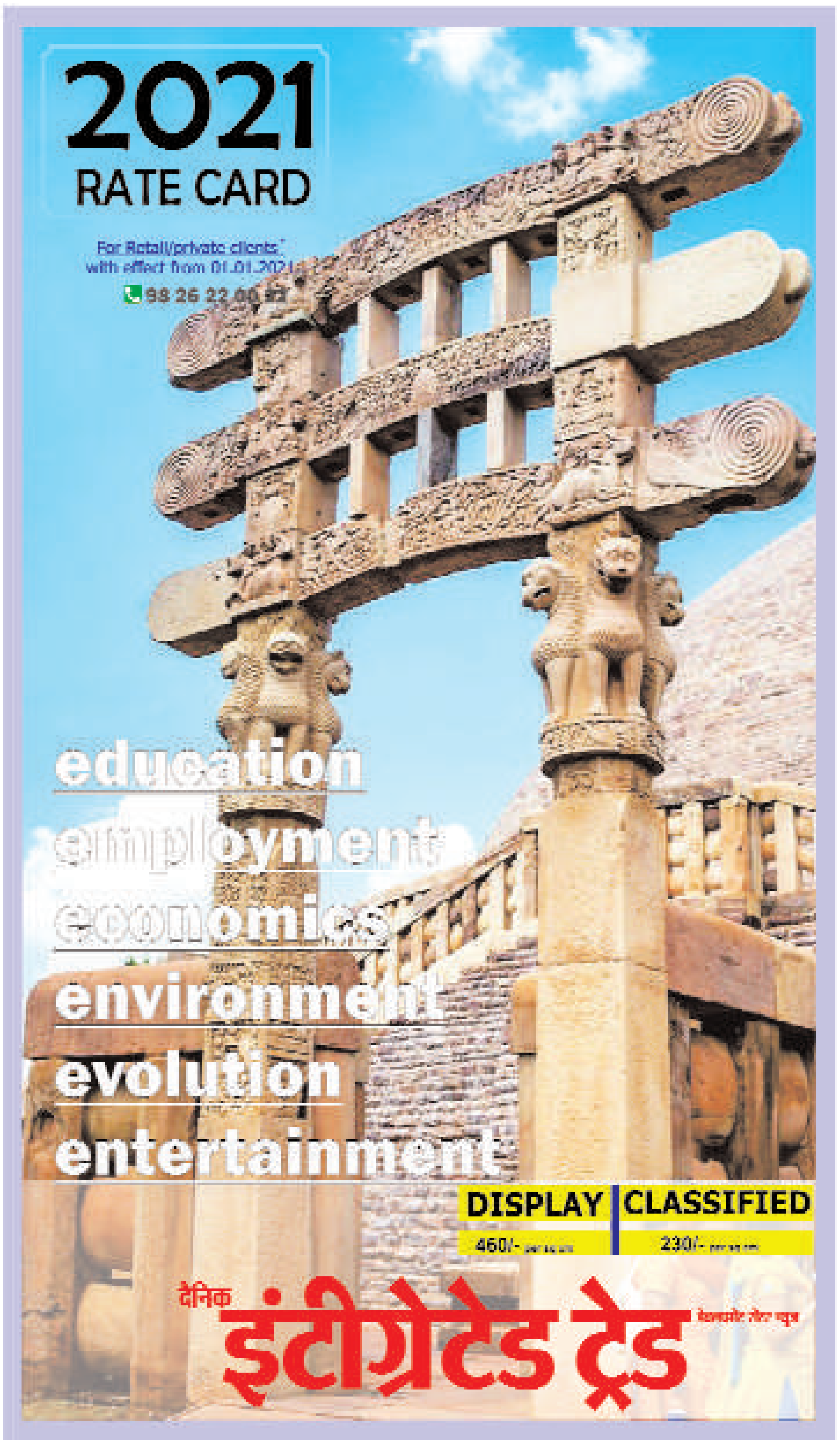

चिप की कमी.. कारों की बिक्री थमी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

यात्री वाहनों की बिक्री को देश के आर्थिक परिदृश्य का अहम संकेतक माना जाता है। लेकिन अगस्त में कारों की बिक्री की रफ्तार थोड़ी धीमी रही। वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की किल्लत के कारण कार विमिर्नाताओं को अपने उत्पादन में भी कटौती करनी पड़ी है। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा में ऑटोमोटिव इकाई के मुख्य कार्याधिकारी विजय नाकरा ने कहा, %यात्री वाहनों की बिक्री अगस्त में पिछले महीने की तुलना में 17 फीसदी बढ़ी है लेकिन सेमीकंडक्टर की कमी लगातार बनी हुई है जो वाहन उद्योग के लिए चिंता का विषय है। देश की प्रमुख कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजूकी की बिक्री अगस्त 19 फीसदी घटकर 1,30,699 कारों की रही। जुलाई में कंपनी ने 1,62,462 कारें बेची थीं। सितंबर में भी कंपनी के उत्पादन में कमी आने की आशंका है क्योंकि मारुति सुजूकी ने अपने उत्पादन में 60 फीसदी कटौती की घोषणा की है। इसकी वजह यह है कि सबसे बड़ी चिप आपूर्तिकर्ता कंपनी बॉश ने मलेशिया में महामारी के कारण अपना संयंत्र बंद कर दिया है। ऑल्टो और एसप्रेसो की बिक्री 20,461 कारों की रही, वहीं वैगन आर, स्विफ्ट, बलेनो, सेलेरियो, इगनिश, डिजायर और टूर एस की कुल बिक्री 45,557 कारों की रही, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 26.43 फीसदी कम है। कंपनी ने कहा कि अगस्त में कारों की बिक्री इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों की कमी के कारण प्रभावित हुई है। कंपनी इसके प्रतिकूल प्रभाव को कम करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। हुंडई की घरेलू बाजार में बिक्री महज 2 फीसदी बढ़कर 46,866 कारों की रही। कंपनी ने कहा कि पिछले साल इस दौरान 45,809 कारों की बिक्री हुई थी। टाटा मोटर्स ने अगस्त में घरेलू बाजार में 28,018 कारें बेचीं, जो पिछले साल अगस्त के 18,583 कारों की तुलना में 51 फीसदी अधिक है। लेकिन सेमीकंडक्टर की कमी के कारण जुलाई की तुलना में टाटा मोटर्स की बिक्री 7 फीसदी कम रही है।

जलियांवाला झांकी है, पार्लियामेंट अभी बाकी है

शहादत के तमाशे की ऐसी मिसाल दुनिया में शायद ही कहीं मिले। जर्मनी, रूस, जापान जैसे देशों के इतिहास भी अनेक विभीषिकाओं से भरे हुए हैं, लेकिन वहां उन स्थलों को इस तरह संभाल कर रखा जाता है, जिससे भावी पीढ़ियां इतिहास की गलतियों से सबक लेकर अपने भविष्य को बेहतर बनाएं। लेकिन भारत में त्रासदी में मौजमस्ती के मौके तलाशे जा रहे हैं। जनरल डायर के खूनी खेल को लाइट एंड साउंड से सजाकर पेश करने का यह काम भयावह है, जिस पर जनता को आवाज उठाना चाहिए। इतिहास बनाने में नाकाम रहने वाले इसमें छेड़छाड़ का प्रयास करते हैं। ये उद्गार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हैं, जो उन्होंने मार्च 2019 को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम (1857-1947) के शहीदों के शब्दकोश का विमोचन करते हुए व्यक्त किए थे। इस दौरान उन्होंने इतिहास को लेकर कई और अच्छी बातें कहीं थीं, जैसे- जो राष्ट्र उन लोगों को याद नहीं करता और सम्मान नहीं देता जिन्होंने उनके इतिहास का निर्माण किया है या उसका महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं, अक्सर उस राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं होता।

मोदीजी ने तब ये भी कहा था कि अगर इतिहास को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार किया जाता है तो ही यह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। इतिहास को विचारधारा के पैमाने पर तोलने के प्रयास होते हैं और इन प्रयासों के कारण कई बार इतिहास से छेड़छाड़ होती है। मुझे लगता है कि इतिहास को इतिहास के रूप में लिया जाना चाहिए। यह आपकी या मेरी विचारधारा से बाध्य नहीं होना चाहिए और हमें इसमें बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। अब ये तो पता नहीं कि मोदीजी ने अपना ये भाषण खुद तैयार किया था या किसी ने उनके लिए लिखा था। अगर किसी और ने उनके लिए भाषण लिखा था, तब तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर मोदीजी के ये अपने विचार हैं, तो फिर यह सवाल उठता है कि दो सालों में कोरोना महामारी के अलावा ऐसा और कौन सा बड़ा परिवर्तन हो गया, जिसका असर उनकी अपनी सोच पर पड़ गया है। वैसे यह कोई पहली बार नहीं है, जब मोदीजी अपनी बात से पलटे हों। दो करोड़ नौकरियां, महंगाई पर वार, काले धन की वापसी, भ्रष्टाचार का खात्मा, भारत को विश्वगुरु बनाना, ऐसे अनगिनत वादे हैं, जो उन्होंने किए, लेकिन पूरे नहीं हुए। अब यही कहानी इतिहास के साथ भी दोहराई जा रही है।

मोदीजी ने 2019 में सच ही कहा कि इतिहास बनाने में नाकाम रहने वाले इसमें छेड़छाड़ का प्रयास करते हैं। विकृत मानसिकता से मुक्त होकर इतिहास पढ़ने वाले ये जानते हैं कि संघ का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में रत्ती भर भी योगदान नहीं रहा। जब नरम और गरम दोनों तरह की विचारधारा के लोग सब कुछ दांव पर लगाकर जेल जाने या फांसी पर लटकने को तैयार हो रहे थे, तब सावरकर जैसे लोग माफीनामा लिखने में झिझक नहीं रहे थे। आज वो वीर उपाधि से सुशोभित हो चुके हैं। ऐसी वीरता की तब रोपी गई पौध अब हिंदुत्व के खाद-पानी से सिंचित होकर बड़ा पेड़ बन गया है। इस पेड़ के बाशिंदे कभी 56 इंच की छाती का घमंड दिखाते हैं, कभी घर में घुसकर मारने की बात करते हैं।

विधर्मियों को मार-काट का डर दिखाते हैं। ऐसा नहीं है कि अकेले संघ ने धर्मांधता के जहरीले फल से भरे पेड़ को उगा लिया है, सत्ता के लालच में आकर कभी कांग्रेस के भीतर बैठे दक्षिणपंथियों ने इसमें मदद की, कभी नेहरू विरोध के नाम पर लोहियावादियों ने अपना योगदान दिया। अब ये पेड़ लहलहा रहा है, इसकी शाखाएं देश के बाहर भी फल-फूल रही हैं, और इसे सदाबहार बनाए रखने के लिए जरूरी है कि उस इतिहास को मिटा दिया जाए, जिसके पन्नों पर गांधी-नेहरू का नाम लिखा था। इस काम की शुरुआत आजादी का अमृत महोत्सव मनाने वालों ने कर दी है। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत एक कार्यक्रम के लिए पोस्टर जारी किए, जिसमें नेहरूजी की तस्वीर नहीं थी। कई कांग्रेस नेताओं ने इस पर आपत्ति व्यक्त की, जिस पर सफाई दी गई कि असावधानी से ऐसा हो गया, आने वाले दूसरे पोस्टर में नेहरूजी होंगे। वैसे परिषद को यह मालूम होना चाहिए कि देश के पहले प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत को बनाने वाले पं.नेहरू किसी पोस्टर के मोहताज नहीं हैं। मोदीजी ने इस मामले पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि उन्हें दो साल पहले की अपनी बात को याद कर लेना चाहिए कि जिन्होंने इतिहास बनाया, अगर राष्ट्र उन्हें याद नहीं करता तो उस राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं रहता। इतिहास को उसके वास्तविक रूप में ही स्वीकार करने की बात मोदीजी ने कही थी, लेकिन वे इतिहास पर चकाचौंध का आवरण डाल रहे हैं। गुजरात में बापू के साबरमती आश्रम का 1200 करोड़ रुपये की लागत से नवीनीकरण करने का प्रस्ताव है, जिसके विरोध में कई गांधीवादी विचारकों ने खत लिखकर अपनी चिंता जतलाई है कि इससे गांधीवादी मूल्यों की पवित्रता, आश्रम की सादगी खत्म हो जाएगी।

संपादकीय

सरकार से पूछा जाए- यह कौन सा तरीका है देश चलाने का?

- राकेश अचल

किसानों के आंदोलन के साथ लगातार भितरघात करने के बावजूद भाजपा और केंद्र सरकार आंदोलन को समूल नष्ट नहीं कर पा रही है। इसी घबराहट में खीजकर हरियाणा में किसानों के साथ तालिबानी रवैया अपनाया गया। किसानों पर किये गए नृशंस लाठी चार्ज में एक किसान मारा गया और दर्जनों गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। इस लाठी चार्ज के बाद भाजपा बजाय राहत महसूस करने के कारण कटघरे में आ गई है। समझ में न आए तो सवाल करना हर आदमी का हक है। इसी हक का इस्तेमाल करते हुए आज देश की सरकार से सवाल किया जाना चाहिए कि देश किस तरीके से चलाया जा रहा है; क्योंकि सूबे-सूबे और सरकारों-सरकारों से आपस में गुत्थमगुत्था हो रही है। असम-मिजोरम से शुरू हुआ यह आपसी फसाद अब पंजाब और हरियाणा तक पहुंच गया है। हाल ही में हरियाणा के करनाल में किसानों पर बेरहम लाठी चार्ज के बाद देशव्यापी आलोचना का शिकार बनी हरियाणा सरकार के मुखिया मनोहरलाल खट्टर आरोप लगा रहे हैं कि पंजाब सरकार किसानों के आंदोलन और हिंसा के पीछे है। खट्टर साहब के आरोपों का कोई आधार है या नहीं, यह कौन तय करेगा? क्या केंद्र इन आरोपों की बिना पर कोई जांच बैठायेगा, या सिर्फ तमाशा देखेगा? देश में सूबों के बीच भिड़ंत का पुराना इतिहास है लेकिन ये लड़ाइयां या विवाद पानी, बिजली जैसे महत्वपूर्ण अधिकारों को लेकर हुआ करते थे लेकिन सीमाओं और सियासत के नाम पर सूबों के बीच कलह नए इतिहास लिखने के लिए उतावले युग की देन है। हरियाणा में बीते दिनों किसानों की बेरहमी से पिटाई के लिए खेद जताने के बजाय हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर अपने पड़ोसी और अग्रज सूबे के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह पर पिल पड़े हैं। खिसयानी बिल्ली का खंभा नोचना इसी को कहते हैं। खट्टर ने कहा है कि हरियाणा में किसान आंदोलन के पीछे पंजाब सरकार का हाथ है। अगर ऐसा नहीं होता तो किसान मोर्चे की अगुवाई करने वाले किसान नेता इस तरह बलवीर राजेवाल कैप्टन को लड्डू नहीं खिलाते। इस भिड़ंत का आगाज करने वाले खट्टर साहब कैप्टन अमरिन्दर सिंह से उम्र में ही नहीं, राजनीतिक अनुभव में भी बहुत छोटे हैं। कैप्टन ने घाट-घाट का पानी पिया है। उनके सामने खट्टर का सियासी पलड़ा और लगाए गए आरोप दोनों ही हल्के लगते हैं। देश में चल रहा किसान आंदोलन अगर केवल एक सरकार द्वारा प्रायोजित होता तो इतना लंबा खिंच नहीं सकता था। इसलिए लगता है कि खट्टर साहब अपनी पार्टी की किसी रणनीति के तहत किसान आंदोलन की तरफ से देश का ध्यान बांटना चाहते हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री के जवाब में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह खामोश नहीं बैठे। उन्होंने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कैप्टन ने कहा कि किसानों की बदहाली के लिए पंजाब नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी जिम्मेदार है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों पर लाठी चार्ज ने आपकी सरकार के किसान विरोधी एजेंडे को जगजाहिर कर दिया है। किसानों की आड़ में शुरू हुई दो राज्यों के बीच की यह लड़ाई मनोरंजन का काम तो कर सकती है किन्तु किसी मसले का हल नहीं निकाल सकती। हकीकत यह है कि किसानों के आंदोलन के साथ लगातार भितरघात करने के बावजूद भाजपा और केंद्र सरकार आंदोलन को समूल नष्ट नहीं कर पा रही है। इसी घबराहट में खीजकर हरियाणा में किसानों के साथ तालिबानी रवैया अपनाया गया। किसानों पर किये गए नृशंस लाठी चार्ज में एक किसान मारा गया और दर्जनों गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। इस लाठी चार्ज के बाद भाजपा बजाय राहत महसूस करने के कारण कटघरे में आ गई है। नौ माह लम्बे किसान आंदोलन को इस लाठी चार्ज से एक बार फिर नई ऊर्जा हासिल हुई है। करनाल में पिटे किसान अब आरोपी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गये हैं। किसानों ने 6 सितंबर को हरियाणा सचिवालय घेरने का ऐलान किया है। किसानों के इस अल्टीमेटम से हरियाणा सरकार के हाथों के तोते उड़ चुके हैं। देश के आंदोलनरत किसान केन्द्र की हठधर्मी से लगातार निराश होते जा रहे हैं। संसद का पावस सत्र भी निकल गया लेकिन सरकार ने किसानों की मांगों पर कोई विचार और फैसला नहीं किया। सरकार के लिए लगता है कि किसान आंदोलन एक सामान्य गतिविधि है। किसान आंदलन से देश का ध्यान बांटने के लिए अब तक किये गए तमाम प्रयोग नाकाम साबित हुए हैं। असम और मिजोरम का टकराव स्थानीय विवाद बनकर रह गया है। महाराष्ट्र में केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे की गिरफ्तारी के बाद भी कोई बात बनी नहीं। कोरोना की तीसरी लहर का शोर भी थम सा गया है लेकिन किसान आंदोलन इस सबके बावजूद ज़िंदा है। ऐसा नहीं कि किसान आंदोलन की वजह से हो रहे नुकसान से केन्द्र अनभिज्ञ है, बल्कि उसे हर नया मोर्चा शुरू करने से पहले किसानों के बारे में सोचना पड़ता है। परेशानी यह है कि अब सरकार के पास कोई चेहरा बचाने लायक कोई तरीका हाथ नहीं आ रहा है।

काउंटर टेररिज्म पर पाठ्यम

अक्सर यहां की केन्द्रीय विचारधारा से खार खाने वाले लोग एवं संगठन इस विवि को बदनाम करने की कोशिश करते रहे हैं। एक पूर्व केन्द्रीय मंत्री द्वारा कभी यहां के छात्रों को तोप भेंट करने की सलाह दी गई थी ताकि उनमें देशभक्ति जागे, तो वहीं कुछ लोग यहां के छात्रों को अय्याशी का अड्डा मानते हैं। कुछ का कहना है कि यहां के छात्रों को रियायती दरों से मिलने वाली शिक्षा एवं तमाम सुविधाएं बन्द कर देनी चाहिये।

उच्च शिक्षा के लिए भारत के सबसे बेहतरीन विश्वविद्यालयों में से यकीनन एक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एक नया विवाद पैदा किया जा रहा है। यहां दोहरी डिग्री वाले इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम में छात्रों के लिए काउंटर टेररिज्म अर्थात आतंकवाद-विरोध का नया विषय रखा गया है।

इस पर पाठ्यक्रम को मंजूरी देनी है या नहीं, इस पर गुरुवार को विवि की कार्यकारी परिषद अंतिम निर्णय लेगी। हालांकि इस पर पहले ही विवाद शुरू हो गया है और यहां के शिक्षकों एवं छात्रों के एक वर्ग ने इस पर इसलिए आपत्ति जताई है कि इसमें जिहादी आतंकवाद को कट्टरपंथी-धार्मिक आतंकवाद का एक रूप बतलाया गया है। इसके साथ ही उनका यह भी आरोप है कि %काउंटर टेररिज्म, एसिमेट्रिक कान्फ्लिक्ट्स एंड स्ट्रैटेजीज़ फॉर कोऑपरेशन एमंग मेजर पॉवर्स%शीर्षक के पाठ्यक्रम में यह भी दावा किया गया है कि सोवियत संघ और चीन में साम्यवादी शासन आतंकवाद के शासकीय प्रायोजक थे। उन्होंने ही कट्टरपंथी इस्लामिक देशों को प्रभावित किया था। आपत्ति इस आशंका के चलते हैं कि इस पाठ्यक्रम के जरिये एक ओर इस्लाम तो दूसरी तरफ साम्यवादी देशों को बदनाम किया जा सकता है। इन आरोपों में भी दम दिखलाई पड़ता है कि सरकार यहां के छात्रों की विचारधारा को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रभावित करना चाहती है।

विवि परिसर का रूझान साम्यवादी, समाजवादी, सेक्युलर और लोकतांत्रिक है जबकि वर्तमान शासन व्यवस्था इन मूल्यों के खिलाफ है। वैसे भी एक तरह से मानों केन्द्र सरकार, उसे चलाने वाली भारतीय जनता पार्टी एवं मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जेएनयू से पुरानी रंजिश है। वैसे तो यहां दक्षिणपंथी विचारधारा पर आधारित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की उपस्थिति है लेकिन अक्सर उस पर वामपंथी विचारों के छात्र संगठन का ही कब्जा होता आया है।

पिछले 40 वर्षों में जेएनयू के छात्रसंघ के अध्यक्ष पद साम्यवादी विचारधारा एवं दलों का अनुसरण करने वाले संगठनों के प्रतिनिधि ही जीतते आये हैं। कम्युनिस्ट विचारधारा में विश्वास रखने वाले स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन 22 बार, एबीवीपी 11 बार और तीन-चार बार एनएसयूआई या दिल्ली छात्र महासंघ जीता है। सीताराम येचुरी, वृंदा करात, कन्हैया कुमार, आयसी घोष जैसे प्रखर नेता इसी विवि की देन हैं।

अक्सर यहां की केन्द्रीय विचारधारा से खार खाने वाले लोग एवं संगठन इस विवि को बदनाम करने की कोशिश करते रहे हैं। एक पूर्व केन्द्रीय मंत्री द्वारा कभी यहां के छात्रों को तोप भेंट करने की सलाह दी गई थी ताकि उनमें देशभक्ति जागे, तो वहीं कुछ लोग यहां के छात्रों को अय्याशी का अड्डा मानते हैं। कुछ का कहना है कि यहां के छात्रों को रियायती दरों से मिलने वाली शिक्षा एवं तमाम सुविधाएं बन्द कर देनी चाहिये।

नये नागरिकता कानून के खिलाफ यहां के छात्रों द्वारा किये गये आंदोलन से बौखलाकर सरकार ने यहां लाठी चार्ज भी कराया था। कन्हैया कुमार को तो जेल में तक डाला गया और उत्तर प्रदेश के बदायूं का रहने वाला बेहद सक्रिय कार्यकर्ता छात्र नजीब अहमद 2016 की अक्टूबर से गायब है। भाजपा नेता तो सुब्रमण्यम स्वामी मानते हैं कि नेहरू इतने काबिल नहीं थे कि उनके नाम पर कोई विश्वविद्यालय का नाम हो।

अक्सर घोर दक्षिणपंथी विचारधारा के खिलाफ हमेशा तनकर खड़ा होने वाला जेएनयू इसीलिये भाजपा और उससे संबंधित संस्थाओं की आंख की किरकिरी बना रहा है। इस विषय में नया कोर्स शुरू करने का मकसद भाजपा एवं संघ का वही पुराना एजेंडा है- सामाजिक ध्रुवीकरण। इसके लिए जरूरी है कि मुस्लिमों के प्रति समाज में नफरत भरती जाये।

प्रतिष्ठित जेएनयू के पाठ्यक्रम में यह विषय शामिल करने का उद्देश्य भी यही है कि अध्ययन, शोध आदि की आड़ में अल्पसंख्यकों के खिलाफ कटुता एवं घृणा का वातावरण बनाया जाये। कुछ समय पहले भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस प्रकार की कोशिश की थी लेकिन अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आपत्ति उठाये जाने के कारण इसे वापस ले लिया गया था। इस बार भी परिषद के कुछ सदस्य इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

समाज में साम्प्रदायिक टकराव रोकने के लिए इस तरह की शिक्षा का कड़ा विरोध होना चाहिये। आशा की जानी चाहिये कि परिषद इस पाठ्यक्रम को मंजूरी नहीं देगा और शैक्षणिक संस्थानों में ऐसी कोई भी शिक्षा नहीं दी जानी चाहिये जिससे समाज के किसी वर्ग के प्रति घृणा फैले।

कांटे से कांटा निकालने की तैयारी

आईएसआईएस पूरी दुनिया में खलीफा शासन स्थापित करना चाहता है। इसके लिए वह हिंसा और आतंकवाद का इस्तेमाल करता है। तालिबान की वारदातों का दायरा अफगानिस्तान में ही रहा है। तालिबान ने आमतौर पर अफगानिस्तान में मौजूद अमेरिकी सेनाओं को ही निशाना बना कर हमले किये हैं। आईएस और तालिबान दोनों ही शरीयत लागू करना चाहते हैं। आईएस के कतर, तुर्की, सऊदी अरब, लेबनान मुख्य मददगार हैं। इनके अलावा दुनियाभर में फैले तमाम अन्य आतंकी संगठन आईएस की मदद करते हैं।

अमेरिकी फ़ौजों की अफगानिस्तान से वापसी, दोहा समझौते के बावजूद साजों सामान छोड़कर वापसी करना, बिना किसी संघर्ष के पूरे अफगानिस्तान पर तालिबान का क़ाबिज हो जाना, ऐसी घटनाएं हैं जो अमेरिका व तालिबान के बीच के रिश्तों की कई अनकही कहानी कहती हैं। हालांकि कुछ लोगों को यह 46 साल पहले की वियतनाम से अमेरिका की वापसी की याद दिला सकता है। उस समय वियतनाम की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी वैश्विक सुरक्षा और अमेरिकी हितों के लिए इतना बड़ा खतरा मानी जाती थी कि अमेरिका बरसों तक उससे लड़ता रहा। इसमें 58 हजार अमेरिकी सैनिक मारे गए। अमेरिका को बुरी तरह बेइज्जत हो कर वियतनाम से हटना पड़ा था। लेकिन आज वही अमेरिका, वियतनाम का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। अमेरिका, वियतनाम को चीन के खिलाफ महत्वपूर्ण क्षेत्रीय सहयोगी मानता है। उसी वियतनाम की यात्रा इसी हफ्ते अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने की है। लेकिन अमेरिका का आज का दोस्त वियतनाम बदला नहीं है। वहां अब भी दमनकारी शासन है।

अमेरिका तो वियतनाम में कम्युनिस्ट शासन खत्म करने के लिए लड़ रहा था जबकि अफगानिस्तान में लड़ाई तालिबान और उसके आतंकी सहयोगियों के खात्मे के लिए 20 साल तक लड़ी गई। लेकिन अब जो स्थितियां बन रही हैं, उसमें तालिबानी अफगानिस्तान भी वियतनाम की तरह अमेरिका और अन्य लोकतांत्रिक शक्तियों का मित्र बन सकता है। इस दोस्ती की शुरुआत में वियतनाम की तरह 50 साल नहीं लगेंगे बल्कि यह आईएसआईएस के खिलाफ तत्काल संयुक्त अभियान से शुरू हो सकती है। इस हफ्ते की घटनाओं से पता चलता है कि अमेरिका और तालिबान के रिश्ते बदल रहे हैं। काबुल एयरपोर्ट पर बम धमाकों की घटना के बाद प्रेसिडेंट जो बिडेन ने बदला लेने और कार्रवाई करने की बात कही। लेकिन एक बार भी तालिबान को दोषी नहीं ठहराया। बिडेन ने साफ कहा कि हमलों के लिए जिम्मेदार आईएसआईएस खोरासान, तालिबान का कट्टर दुश्मन है। अमेरिकी सेना के कमांडर, जनरल केनेथ मेकेन्जी ने कहा है कि अमेरिकी सेनाओं की वापसी के लिए तालिबान के साथ मिल कर काम किया जा रहा है। वर्तमान हालात में अमेरिका के पास तालिबान से मिलकर काम करने के अलावा कोई चारा भी नहीं है। लेकिन 31 अगस्त या जब भी अफगानिस्तान से निकासी का काम पूरा होता है। उसके बाद भी आईएसआईएस-के तो वहां मौजूद ही रहेगा। तालिबान उसकी मौजूदगी का फायदा उठाकर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों से अपने हित के काम करा सकता है। एक दिन में आईएसआईएस ने जितने अमरीकियों को मार दिया उतने तो तालिबान 2019 से अब तक नहीं मार पाया था। डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के साथ 2020 मे दोहा में हुए करार के बाद तालिबान ने अमेरिकी सेनाओं पर हमले वस्तुत- बन्द ही कर दिए थे। उधर आईएसआईएस-के अफगानिस्तान पर कब्जा करने की रणनीति पर चल रहा है । ऐसे में तालिबान की प्राथमिकता में उसका जड़मूल से खात्मा करना है। काबुल पर कंट्रोल करने के बाद तालिबान ने इसका संकेत जेल में बन्द आईएसआईएस - खोरासान के एक पूर्व नेता को मौत के घाट उतार कर दे दिया है। आईएसआईएस के खिलाफ अमेरिका के संघर्ष में अजीबोगरीब तरह के समीकरण बनते रहे हैं। मिसाल के तौर पर इराक और सीरिया में इस गुट के खिलाफ अमेरिका ने कुछ ऐसे सीरियाई विद्रोही गुटों को साथ में लिया जिनके पहले अल कायदा से ताल्लुक थे। इसके अलावा एक कुर्दिश मिलीशिया से भी गठजोड़ किया गया जबकि वह अमेरिका की आतंकी सूची में शुमार था। इस गुट को ईरान समर्थित शिया मिलीशिया का समर्थन था।

अफगानिस्तान में भी बीते दिनों ऐसा कुछ देखने को मिला जिसकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। यह घटना थी सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स द्वारा काबुल आ कर तालिबान के टॉप लीडर से मुलाकात की। आईएसआईएस-के को ग्लोबल सुरक्षा के प्रति बहुत बड़े खतरे के रूप में पेश करने में तालिबान का निजी स्वार्थ है। ऐसे में अगर अमेरिका भी आईएसआईएस - खुरासान को अंतरराष्ट्रीय खतरा मान लेता है तो बहुत मुमकिन है कि अमेरिका और तालिबान के बीच खुफिया जानकारी के आदान प्रदान का रिश्ता हो जाये।

लेकिन तालिबान की संरचना जिस तरह की है, उसमें कट्टरपंथी गुटों और पर्दे के पीछे वाले ईरान जैसे समर्थकों के चलते अमेरिका खुद एक नए भंवर में फंस सकता है। आईएसआईएस-को भी विभिन्न स्रोतों से मदद मिल ही रही है, उसके ताल्लुक अल कायदा, आईएसआईएस और तालिबान के भीतर मौजूद हक्कानी नेटवर्क से भी हैं। चीन, रूस और पाकिस्तान अपने लिए नए मौके तलाश रहे हैं। ऐसे में अमेरिका अगर तालिबान के साथ मिलकर आईएसआईएस-के के खिलाफ कोई मोर्चा खोलता है तो उसके लिए नई मुसीबत खड़ी हो सकती है। यह एक तरह का नया ट्रैप साबित हो सकता है जिससे पीछा छुड़ाना आसान नहीं होगा।

क्योंकि आईएसआईएस की मौजूदगी प्रमुख रूप से सीरिया और इराक में है। जब कि तालिबान की केवल अफ़ग़ानिस्तान में। आईएसआईएस के संगठन का विस्तार दुनिया के अन्य देशों मसलन लीबिया, इजिप्ट, सऊदी अरब, यमन, अल्जीरिया, अफ़ग़ानिस्तान, पाकिस्तान, नाइजीरिया, दक्षिण कॉकेशियन, गाजा, सोमालिया, फिलीपींस, कांगो, मोज़ाम्बिक, बांग्लादेश, अजरबैजान, तुर्की में भी है। आईएसआईएस पूरी दुनिया में खलीफा शासन स्थापित करना चाहता है। इसके लिए वह हिंसा और आतंकवाद का इस्तेमाल करता है। तालिबान की वारदातों का दायरा अफगानिस्तान में ही रहा है।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

नकारात्मक विचार और चिंता के कारण होती है एंजायटी

इन दिनों एंजायटी कई लोगों द्वारा अनुभव की जा रही है। एंजायटी एक ऐसी बीमारी है जिसमें नाकारात्मक विचार, चिंता और डर का आभास होता है। ये बात हर कोई जानता है कि हमारे शरीर में हो रही हर एक गतिविधि को मस्तिष्क की मदद से शांत किया जा सकता है। चिंता आपके दिमाग की ऊर्जा को खत्म कर देता है। जिसकी वजह से आपका चिंता का स्तर बढ़ जाता है। हालांकि किसी भी बारे में सोचना गलत नहीं है, लेकिन इस हद तक सोचना कि ये आपके लिए खतरा बन जाए, तो ऐसे में ये गलत साबित होता है। वहीं तनाव से निपटने, शांत और सकारात्मक रहने से एंजायटी को होने से रोका जा सकता है। तो चलिए जानते हैं, कैसे रखें अपने दिमाग को शांत।

» अपनी घबराहट को शांत करना मुश्किल है। किसी प्रकार के डर को दूर करना मुश्किल होता है, जो आपके मन में कहीं ना कहीं होता ही है। ऐसे में इस डर को खत्म करने के बजाय आप चिंता में डूब जाते हैं। ऐसे में आप अपनी एक डायरी बनाएं

और अपने हर एक डर, चिंता का और तनाव का कारण लिखें। इससे आपका मन हल्का हो जाता है। साथ ही आपका ध्यान आपके डर से हट जाता है। आप रोजाना होने वाली बातों को या फिर उन बातों को डायरी में लिखें जो आपको परेशान करती हैं।

» फिजिकल एक्टिविटी एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। एंजायटी के दौरान ये ऐसी चीज हो सकती है जिसे आप सबसे आखिरी मर्ज के तौर पर करें, लेकिन हकीकत में ये व्यायाम प्राकृतिक तरीका है, जो चिंता को कम करता है। एक्सरसाइज करने से एंडोर्फिन और सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है, जो व्यक्ति को भावनात्मक रूप से अच्छा महसूस कराने में मदद करता है। जब आप अंदर से अच्छा महसूस करते हैं, तो आपका नजरिया बदल जाता है। ऐसे में रोजाना आप 30 मिनट की फिजिकल एक्सरसाइज जरूर करें।

» इन दिनों लोग वर्तमान समय को एंजॉय करने की जगह भविष्य की प्लानिंग में समय निकाल देते हैं। जबकि हमें वर्तमान को खुल कर जीना चाहिए। आने वाली चुनौतियों और बीते कल की गलतियों पर ध्यान ज्यादा केंद्रित नहीं करना चाहिए। ऐसे में हर दिन खुश रहना चाहिए और हर एक पल को जीना चाहिए।

» अपने विचारों से अवगत होना चिंता का मुकाबला करने के सबसे महत्तवपूर्ण चरणों में से एक है। आपको अपने विचारों पर खुद नियंत्रण रखना होगा। यदि आपके मन में कोई नकारात्मक विचार आता है, तो आपको उस विचार को ये सोचना चाहिए कि ये एक ऐसा विचार है जिसमें आपको शामिल होने की जरूरत नहीं है। कई बार चिंता आपके दिमाग पर हावी हो जाती है, तो ऐसे में आप अपने डॉक्टर से कंसल्ट करें। क्योंकि एंजायटी ऐसी बीमारी है जिससे

बरसात के मौसम में सेहतमंद रहने के लिए अपनी डाइट में इन चीज़ों को जरूर शामिल करें

मानसूनी दिनों में यदि आप अपने खानपान में नींबू और हरी मिर्च को शामिल करते हैं तो ये शरीर को विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया से सुरक्षित रखते हैं। इसके साथ ही इनमें पाए जाने वाले पोषक तत्व पानी से होने वाली समस्याओं से बचाने में भी कारगर साबित होते हैं।

बरसात के दिनों में सेहत का विशेष ख्याल रखना पड़ता है। असमान्य तापमान के चलते बीमार होने की संभावना बढ़ जाती है। इस मौसम में इम्यून सिस्टम मजबूत रहना बेहद जरूरी है। इसके लिए खानपान और रहन-सहन पर विशेष ध्यान दें। डॉक्टर्स हमेशा मानसून के दिनों में सेहतमंद रहने के लिए डाइट में विटामिन-सी युक्त चीजों को शामिल करने की सलाह देते हैं। साथ ही रोजाना सुबह में ग्रीन टी या काढ़ा पीने के लिए कहते हैं। अगर आप भी सेहतमंद रहकर मानसून का मजा उठाना चाहते हैं, तो इन चीजों का रोजाना जरूर सेवन करें। आइए जानते हैं-

नींबू व हरी मिर्च का सेवन

मानसूनी दिनों में यदि आप अपने खानपान में नींबू और हरी मिर्च को शामिल करते हैं, तो ये शरीर को विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया से सुरक्षित रखते हैं। इसके साथ ही इनमें पाए जाने वाले पोषक तत्व पानी से होने वाली समस्याओं से बचाने में भी कारगर साबित होते हैं। नींबू के सेवन से शरीर के लिए आवश्यक विटामिन सी की भी पूर्ति होती है।

कम करें प्रयोग

मानसूनी दिनों में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि हम अपने खानपान में कुछ खाद्य पदार्थों का सीमित मात्रा में ही प्रयोग करें, जैसे छाछ, लस्सी, चावल, दही आदि। खानपान में इनकी अधिकता होने से शरीर में पानी की मात्रा असंतुलित हो सकती है।

खाएं मौसमी सब्जियां

मानसूनी दिनों में मौसमी सब्जियों का सेवन करना लाभदायक रहता है। खासकर लौकी, कद्दू, करेला आदि। इनके सेवन से न केवल शरीर विभिन्न प्रकार के संक्रमण से सुरक्षित रहता है, बल्कि भरपूर पोषण भी मिलता है। हरी सब्जियों में विटामिन ए, सी, ई व बीटा कैरोटिन, फोलिक एसिड, फाइबर आदि पाया जाता है। ये पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाते हैं।

बचें गरिष्ठ भोजन से

मानसूनी दिनों में ज्यादा तैलीय व अधिक मिर्च-मसाले वाले खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। ये न केवल हमारे शरीर का तापमान बढ़ाते हैं, बल्कि रक्तसंचार को भी प्रभावित करते हैं। साथ ही जंक फूड का सेवन न करें।

आंखों की थकान दूर करने के लिए फॉलो करें ये ईजी टिप्स

रात के समय में मोबाइल से निकलने वाली ब्लू रोशनी आंखों के लिए बेहद नुकसानदेह होती है। इससे आंखों में जलन थकान खुजली सूखापन आदि परेशानी होती है। विशेषज्ञों की मानें तो लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन पर काम करने से ब्लिंक दर कम हो जाती है।

लंबे समय तक लैपटॉप और मोबाइल स्क्रीन पर नजर गड़ाकर काम करने से आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खासकर रात के समय में मोबाइल से निकलने वाली ब्लू रोशनी आंखों के लिए बेहद नुकसानदेह होती है। इससे आंखों में जलन, थकान, खुजली, सूखापन आदि परेशानी होती है। विशेषज्ञों की मानें तो लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन पर काम करने से ब्लिंक दर कम हो जाती है। साथ ही आई स्ट्रेन की शिकायत बढ़ जाती है। इस स्थिति में आंखों में जलन होने लगती है और चीजें धुंधली दिखने लगती हैं। अगर आप भी आंखों की थकान और जलन से परेशान हैं और इनसे निजात पाना चाहते हैं, तो ये ईजी टिप्स जरूर फॉलो करें। आइए जानते हैं-

डिस्टेंस मेंटेन करें

लैपटॉप और मोबाइल चलाते समय आंखों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसके लिए लैपटॉप और मोबाइल स्क्रीन को कम से कम 25 इंच जरूर दूर रखें। इससे आंखों पर कम दबाव पड़ता है।

20-20 रूल फॉलो करें

जब आप काम करें, तो 20 फ़ीट दूर वस्तु को देखें। तकरीबन 20 सेकेंड तक वस्तु पर अपनी नजर रखें। अब नजर हटाकर दूसरी चीज को देखें और फिर पहली वस्तु को 20 सेकेंड तक देखें। इस एक्सरसाइज को रोजाना करें। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि लोग ब्राइटनेस बढ़ाकर या नाईट मोड में मोबाइल या लैपटॉप देखते हैं। इससे आंखों पर दबाव पड़ता है। इसके लिए ब्राइटनेस संतुलित करें।

ह्यूमिडिफायर का यूज़ करें

अगर आप लंबे समय से आंखों की समस्या से परेशान हैं, तो ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल जरूर करें। इससे आंखों के सूखेपन में आराम मिलता है। बाजार में ह्यूमिडिफायर उपलब्ध हैं। आप ऑनलाइन भी आर्डर कर सकते हैं।

आई ड्राप का यूज़ करें

हैंडलूम साड़ियां खरीदने के लिए इन शहरों की जरूर करें यात्रा

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पहली बार साल 2015 में मनाया गया था। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने घरेलू उत्पादों को बढ़ाने और हैंडलूम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए हथकरघा दिवस मनाने का ऐलान किया था। उस समय से हर साल 7 अगस्त को हैंडलूम डे मनाया जाता है। इतिहास के पन्नों को पलटा जाए, तो पता चलता है कि 7 अगस्त, 1905 को देश में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत की गई थी। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश घरेलू उत्पादों को बढ़ाना था। इस अवसर पर देश के कई राज्यों में हैंडलूम मेले का आयोजन किया जाता है। हालांकि, कोरोना वायरस के चलते इस साल भी हैंडलूम मेले पर असर पड़ा है। हैंडलूम कार्यों के लिए मध्यप्रदेश, कर्नाटक, बिहार, आसाम, बंगाल आदि राज्य बेहद ही मशहूर हैं। इन राज्यों में हैंडलूम यानी कि हाथ से बेहतरीन कढ़ाई और बुनाई की जाती है। आप इन जगहों पर जाकर बेहतरीन खरीदारी कर सकते हैं। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं महेश्वर खरगोन जिले में स्थित है। इस जिले में अहिया किला है, जो नर्मदा नदी के किनारे स्थित है। होल्कर किला भी खरगोन में स्थित है। महेश्वर हैंडलूम के लिए भी प्रसिद्ध है। महेश्वर माहेश्वरी हैंडलूम के लिए भी पॉपुलर है। महेश्वर में हैंडलूम साड़ी बनाई जाती है। आप नर्मदा नदी के दर्शन भी कर सकते हैं। साथ ही महेश्वर में हैंडलूम शॉपिंग भी कर सकते हैं। बागलकोट इलकल साड़ी के लिए प्रसिद्ध है। प्राचीन समय से बागलकोट हैंडलूम कार्यों के लिए प्रसिद्ध है। काफी संख्या में पर्यटक इलकल घूमने और हैंडलूम साड़ी खरीदने आते हैं। बागलकोट में घूमने के लिए कई धार्मिक और पर्यटन स्थल हैं। इनमें बादामी गुफा मंदिर, दुर्गा मंदिर, लाद खान मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिर हैं।

बिशनपुर, पश्चिम बंगाल

बिशनपुर बालूचरी साड़ी के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। बिशनपुर में कई स्मारक स्थल और मंदिर हैं। जब कभी मौका मिले, तो बिशनपुर जरूर जाएं। यह शहर भागीरथी नदी के किनारे बसा है। बालूचरी साड़ी पौराणिक दृश्यों के लिए जाना जाता है। इसके पल्लू में पौराणिक दृश्यों का काम किया करता है।

कालसर्प दोष मुक्ति के लिए है उत्तम, नाग पंचमी का ये दुर्लभ संयोग

हिंदू धर्म में विशेष कर उत्तर भारत में नाग पंचमी के दिन नाग और सर्पों की पूजा की जाती है। नाग पंचमी का त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन ही भगवान श्री कृष्ण ने कालिया नाग के मान का मर्दन करते हुए उसे यमुना नदी छोड़ कर समुद्र में जाने पर मजबूर कर दिया था। उसी दिन से नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। नाम पंचमी का त्योहार इस साल 13 अगस्त को पड़ रहा है। ज्योतिष गणना के अनुसार इस साल नाग पंचमी पर दुर्लभ संयोग बन रहा है।

नाग पंचमी पर विशेष संयोग -

इस साल नाग पंचमी 13 अगस्त दिन शुक्रवार को पड़ रही है। ज्योतिष गणना के अनुसार इस बार नाग पंचमी पर उत्तरा योग और हस्त नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है। साथ ही काल सर्प दोष से मुक्ति के लिए विशिष्ट फलदायी शिन नक्षत्र भी लग रहा है। मान्यता है कि इस नक्षत्र में काल सर्प दोष मुक्ति की पूजा करना सबसे अधिक प्रभावशाली रहता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी पर ऐसा संयोग 108 साल बाद बन रहा है। इस बार नाग पंचमी पर नाग देव की पूजा विशेष रूप से फलदायी है।

कालसर्प दोष से मुक्ति के उपाय -

जिन व्यक्तियों की कुण्ड़ली में काल सर्प दोष होता है उन्हें नाग पंचमी की पर नाग देवता की पूजा जरूर करनी चाहिए। काल सर्प दोष से मुक्ति के लिए प्रयागराज संगम के पास नाग वासुकी तीर्थ, तक्षक तीर्थ या फिर उज्जैन के नाग चंदेश्वर मंदिर में विशेष रूप से पूजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त जानकार ज्योतिषाचार्य या पंड़ित के अनुसार शास्त्र विहित तरीके से काल सर्प दोष का पूजन करें। इस साल नाग पंचमी का ये संयोग इस पूजन के लिए सर्वाधिक लाभ प्रद है।

उच्च रक्तचाप को कंट्रोल करने के लिए रोजाना ऐसे करें जामुन के बीज का सेवन

आजकल उच्च रक्तचाप आम समस्या बन गई है। इसके कई कारण हैं, लेकिन प्रमुख वजह तनाव है। विशेषज्ञों की मानें तो 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को उच्च रक्तचाप की शिकायत होती है। इससे महिला और पुरुष दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इसके लिए 30 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं और पुरुषों को उच्च रक्तचाप की जांच अवश्य ही करानी चाहिए। वहीं, रहन-सहन और खानपान में सुधार करना चाहिए। अगर आप उच्च रक्तचाप के मरीज हैं, तो जामुन के बीज का सेवन जरूर करें। कई शोधों में खुलासा हो चुका है कि जामुन के बीज के सेवन से उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। साथ ही जामुन के बीज से ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल में रहता है। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-

जामुनः *जामुन एक मौसमी फल है, जो ग्रीष्म ऋतु में फलता है। इसमें फाइबर, मैग्नीशियम, आयरन और विटामिन-ए, बी और सी समेत कई अन्य आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह फल डायबिटीज के लिए संजीवनी बूटी समान है। इसके साथ ही उच्च रक्तचाप में भी जामुन दवा की तरह काम करता है। इसके सेवन से उच्च रक्तचाप में सुधार होता है।*

क्या कहती है शोधः *रिशर्च गेट पर छपी एक लेख में जामुन के बीज के फायदे के बारे में बताया गया है। इस लेख में कई शोधों का जिक्र किया गया है। साल 2017 की एक शोध की मानें तो जामुन के फल और बीज दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके सेवन से कई बीमारियों में आराम मिलता है। खासकर डायबिटीज और हाइपरटेंशन के लिए जामुन के बीज किसी वरदान से कम नहीं है। इसके सेवन से उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। साथ ही इंसुलिन को बढ़ावा मिलता है। जामुन के बीज के पाउडर को रोजाना खाली पेट दूध के साथ सेवन करें। इसके सेवन से उच्च रक्तचाप को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।*

तालिबानी हुकूमत की तैयारी: ईरान के खामनेई की तर्ज पर हिब्दुल्लाह अखुंदजादा बन सकता है सुप्रीम लीडर

कंधार में बैठकों का दौर; आज अहम ऐलान मुमकिन

काबुल/कंधार। अफगानिस्तान में तालिबान की नई हुकूमत को लेकर बैठकों का दौर जारी है। भास्कर को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, अफगानिस्तान में ईरान की तर्ज पर शासन व्यवस्था की योजना तैयार की जा रही है। तालिबान के सबसे बड़े नेता हिब्दुल्लाह अखुंदजादा को सर्वोच्च नेता यानी सुप्रीम लीडर बनाया जा सकता है। इस बारे में गुरुवार 2 सितंबर को तस्वीर साफ हो सकती है। माना जा रहा है कि इसी दिन नई सरकार के गठन से संबंधित अहम ऐलान भी किए जा सकते हैं।

इस्लामिक सरकार होगी: 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने भी अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार को लेकर रिपोर्ट पब्लिश की है। इसमें भी कहा गया है कि अखुंदजादा को सुप्रीम लीडर बनाने पर एकराय बन चुकी है और इसका ऐलान जल्द ही किया जा सकता है। यह पूरी तरह इस्लामिक सरकार होगी। सरकार गठन को लेकर कंधार में चल रही बैठकों की अध्यक्षता खुद अखुंदजादा कर रहा है। तालिबान के सूत्रों ने भी इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम लीडर को अफगानिस्तान में 'जाईम' या 'रहबर' कहा जाएगा। मोटे तौर पर यह माना जा सकता है कि सुप्रीम लीडर का फैसला ही आखिरी होगा। यही व्यवस्था शिया बहुल देश ईरान में भी है। वहां अयातुल्लाह खामनेई सुप्रीम लीडर है। शूरा काउंसिल है और इसके बाद संसद और राष्ट्रपति। राष्ट्रपति सीधे जनता चुनती है।

बाकी नेताओं के नाम पर सस्पेंस

अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि तालिबान वादे के मुताबिक, बाकी जनजातियों या कबीलों के नेताओं को सरकार में शामिल करता है या नहीं। संचार और गृह मंत्रालय सबसे अहम विभाग माने जा रहे हैं। 'ब्लूमबर्ग' न्यूज के मुताबिक, इस बारे में भी गुरुवार को ही तस्वीर साफ हो सकती है। माना जा रहा है सरकार के रोजमर्रा के कामकाज

की जिम्मेदारी मुल्ला अब्दुल गनी बरादर संभालेगा। हालांकि, उसका पद क्या होगा? ये साफ नहीं है। बरादर ने ही अमेरिका से कतर में बातचीत का नेतृत्व किया था।

हक्कानी भी हो सकता है सरकार का अंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अखुंदजादा और बरादर के बाद दो नाम और ऐसे हैं जिन्हें सरकार में अहम जिम्मेदारियां सौंपी जानी हैं। ये हैं- मुल्ला मोहम्मद .याकूब और सिराजुद्दीन हक्कानी। इन्हें अखुंदजादा का सलाहकार भी बनाया जा सकता है। ये भी साफ नहीं है कि क्या पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अब्दुल्ला-अब्दुल्ला सरकार में शामिल होंगे या नहीं। शूरा काउंसिल को लेकर भी अब तक कुछ साफ नहीं हो सका है।

हिब्तुल्लाह के पिता मस्जिद के इमाम थे, उन्हीं से मिली तालीम

अखुंदजादा 1961 में अफगानिस्तान के कंधार प्रांत के पंजवई जिले में पैदा हुआ। वह नूरजई कबीले से ताल्लुक रखता है। उसके पिता मुल्ला मोहम्मद अखुंद एक रिलीजियस स्कॉलर थे। वो गांव की मस्जिद के इमाम थे। उनके पास न तो जमीन थी, न कोई संपत्ति। मस्जिद में मिलने वाले दान के पैसों और अनाज से घर चलता था। हिब्तुल्लाह ने पिता से ही तालीम हासिल की। 1980 के शुरुआती दिनों की बात है। अफगानिस्तान में सोवियत यूनियन की सेना आ चुकी थी। उसी के संरक्षण में अफगान सरकार चल रही थी। कई मुजाहिदीन सेना और सरकार के खिलाफ लड़ रहे थे। इन मुजाहिदीनों को अमेरिका और पाकिस्तान से मदद मिलती थी। हिब्तुल्लाह अखुंदजादा का परिवार पाकिस्तान के क्वेटा चला गया और उसने हथियार उठा

गिलानी की मौत पर इमरान की राजनीति

कश्मीर के राजनीतिक दल ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन सैयद अली शाह गिलानी का बुधवार रात 91 साल की उम्र में निधन हो गया। अलगाववादी नेता गिलानी की मौत पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने राजनीति शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्वीट करके उनकी मौत पर दुख जताया और पाकिस्तानद में एक दिन का शोक भी घोषित किया है। इमरान ने कहा- कश्मीर की आजादी के लिए लड़ने वाले सैयद अली गिलानी की मौत की खबर जानकर बहुत दुखी हूं। वो जिंदगी भर कश्मीर के लोगों और उनके आजादी के अधिकार के लिए लड़ते रहे। उन्हें भारत सरकार से प्रताड़ना मिली, लेकिन फिर भी वे अपने इरादों पर टिके रहे। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में हम उनके हौंसले की लड़ाई को सलाम करते हैं और उनके लफ्जों को याद करते हैं- हम पाकिस्तान के हैं और पाकिस्तान हमारा है। पाकिस्तानी झंडा आधा झुका रहेगा और हम एक दिन का शोक मनाएंगे। यह भी पढ़ें- सैयद अली शाह गिलानी का निधनन्कश्मीर के अलगाववादी नेता गिलानी ने 91 साल की उम्र में ली आखिरी सांस, 3 बार विधायक रहे; घाटी में इंटरनेट बंद

महबूबा मुफ्ती ने दी निधन की जानकारी: PDP नेता महबूबा मुफ्ती ने बुधवार रात सोशल मीडिया पर गिलानी के निधन की जानकारी दी। उधर, कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने कहा कि गिलानी के निधन की खबर मिलने पर कश्मीर में कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं। इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है।

भारत में हमला कर सकता है ISIS-K: देश के हिंदू नेताओं और मंदिरों को निशाना बना सकता है खुरासान आतंकी संगठन

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत के बीच भारत में भी आतंकी हमले का खतरा बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक काबुल एयरपोर्ट पर हमला करने वाले आतंकी संगठन ISIS का खुरासान ग्रुप (ISIS-K) भारत में हमले की साजिश रच रहा है। ढ्ढस्ढ्ढस्-द्भ भारत में हिंदू नेताओं और मंदिरों को निशाना बना सकता है। बताया जा रहा है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान में बैठे आतंकी ढ्ढस्ढ्ढस् के संपर्क में हैं। कश्मीर और कर्नाटक से पकड़े गए कुछ संदिग्धों ने ये खुलासा किया है। इसके बाद खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया है।

भारत के कई राज्यों से जुड़े हैं इस्लामिक स्टेट के तार

इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन के तार भारत के कई राज्यों से जुड़े हुए पाए गए हैं। इन राज्यों में तेलंगाना, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। जुलाई 2020 में आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई थी कि भारत के केरल और कर्नाटक राज्यों में बड़ी संख्या में इस्लामिक स्टेट आतंकी मौजूद हैं। इनकी मदद लेकर आतंकी संगठन अल-कायदा देश में बड़े आतंकी हमले को अंजाम दे सकता है।

कट्टरपंथी संगठन फिर हो सकते हैं सक्रिय: क खुफिया एजेंसी के अधिकारी के मुताबिक, अगर यह ग्रुप साजिश रचता है तो भारत में कुछ कट्टरपंथी या आतंकी संगठन फिर सिर उठा सकते हैं। खुरासान ग्रुप युवाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर सकता है। अफगानिस्तान में तालिबान का शासन आने के बाद आतंकी संगठनों को नई ताकत मिली है। भारत में कई हमलों का जिम्मेदार जैश-ए-मोहम्मद अब अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत पहुंच गया है। इसकी सीमा कंधार से लगती है। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार प्रांत से ऑपरेट कर रहा है। 2008 के मुंबई हमलों के पीछे लश्कर ही जिम्मेदार था।

इसी समूह ने किया था काबुल एयरपोर्ट पर आत्मघाती हमला: 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद लाखों लोग देश छोड़ने के लिए कई दिन से एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे थे। 26 अगस्त को खुरासान समूह ने एयरपोर्ट पर दो फिदायीन हमले किए। इन हमलों में 13 अमेरिकी सैनिकों समेत 169 लोगों की मौत हो गई। 1200 से ज्यादा लोग लोग जख्मी हुए। ISIS के खुरासान मॉडल की जड़े पाकिस्तान से ही जुड़ी हुई हैं।

पटना में गंगा नदी पार करने के बाद लोग नाव से अपने वाहनों के साथ उतरते हैं.

न्यूज ब्रीफ

प्रशांत किशोर के पार्टी में खास दर्जे पर राहुल-प्रियंका राजी

नई दिल्ली। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर यानी PK करीब दो महीने पहले दिल्ली में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मिले थे। इसके बाद ही यह करीब-करीब तय हो गया कि PK कांग्रेस जॉइन करेंगे और उन्हें पार्टी में दर्जा भी खास मिलेगा। राहुल और प्रियंका को इस पर राजी हैं, लेकिन कुछ सीनियर्स को इस पर ऐतराज है। अब फाइनल फैसला सोनिया गांधी करेंगी। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस में लीडरशिप को लेकर सवाल उठा चुका G-23 ग्रुप नहीं चाहता है कि प्रशांत किशोर की पार्टी में एंट्री हो और उन्हें विशेष दर्जा दिया जाए। इस मामले पर इन नेताओं ने कपिल सिब्बल के घर पर एक मीटिंग भी की थी।

PK पर तकरार की 4 वजहें

1. आगामी चुनावों में प्रशांत किशोर की अगुआई में अलग कमेटी बनेगी या फिर वह कांग्रेस के मौजूदा सिस्टम के तहत ही काम करेंगे।
2. कुछ लीडर्स का कहना है कि PK की वाइल्ड कार्ड एंट्री से पार्टी को फायदा नहीं मिलेगा।
3. ऐतराज जाहिर करने वालों का कहना है कि सोनिया-राहुल और प्रियंका को लीडर्स और वर्कर्स को सुनना चाहिए और उनके साथ काम करना चाहिए, जो कि पार्टी में बंद हो चुका है।
4. एक नेता ने कहा कि प्रशांत किशोर के पास जादू की छड़ी नहीं। इसके अलावा उन्हें पार्टी का कल्चर और उसकी सोच को अपनाने में भी मुश्किल आएगी।

PK के फेवर में जा रही बातें

1. राहुल और प्रियंका गांधी को PK पर इसलिए ऐतराज नहीं है, क्योंकि दोनों के साथ PK ने 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में साथ काम किया था। हालांकि, तब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी साथ थी, लेकिन नतीजे इस गठबंधन के पक्ष में नहीं गए थे।
2. बंगाल और तमिलनाडु में तृणमूल और DMK के लिए रणनीति PK ने बनाई और इस सफलता से प्रभावित कुछ कांग्रेस लीडर्स का मानना है कि PK को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

शिमला के विकासनगर में बारिश के कारण भूस्खलन के बाद क्षतिग्रस्त वाहन।

खुद को मरा हुआ बताने के लिए दोस्त को मार डाला

UP में 4 हत्याओं के केस में बड़ा खुलासा: प्रेमिका के चक्कर में पत्नी और 2 बच्चों की हत्या की

कासगंज। उत्तर प्रदेश के नोएडा और कासगंज में 4 साल पहले हुई 4 लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। आरोपी राकेश ने एक प्रेम प्रसंग के चलते ग्रेटर नोएडा में अपनी पत्नी और दो बच्चों को लोहे की रॉड से मार डाला था। इसके बाद तीनों की लाशें घर के बेसमेंट में दफन कर दी थीं। खुद को भी मरा हुआ दिखाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए राकेश ने कासगंज में अपने दोस्त की भी हत्या कर दी थी। पुलिस ने गुरुवार रात राकेश के घर के बेसमेंट में खुदाई कर उसकी पत्नी और दोनों बच्चों के कंकाल बरामद कर लिए हैं। राकेश के दोस्त का शव पहले ही बरामद हो चुका था। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

क्या है पूरी घटना ?

इस मामले की शुरुआत अलीगढ़ से हुई। यहां नौगावां गांव, थाना गंगीरी के रहने वाले राकेश और रूबी एक-दूसरे से प्यार करते थे। 2011 में राकेश की शादी एटा के मारहरा थाना इलाके के नगला कलुआ गांव की रहने वाली रत्नेश कुमारी के साथ हो गई, लेकिन

शादी के बाद भी राकेश और रूबी के संबंध चलते रहे। 2016 में रूबी उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही बन गई और आगरा में ताजमहल की सुरक्षा में उसकी ड्यूटी लगी थी। इस दौरान राकेश अपनी पत्नी के साथ ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना इलाके की पंच विहार कॉलोनी में रहने लगा। यहां उसके साथ तीन साल की बेटी अवनी और डेढ़ साल का बेटा अर्पित भी रहता था, लेकिन दो बच्चे होने के बावजूद राकेश, रूबी से मिलता रहा। 2018 में राकेश ने रूबी के सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया। इस पर रूबी ने राकेश के सामने शर्त रख दी कि वह तभी शादी करेगी जब वह अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ देगा। तभी राकेश ने पत्नी और बच्चों को रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया। 14 फरवरी 2018 को यानी वैलेंटाइन-डे के दिन राकेश पत्नी और बच्चों को बेसमेंट में लेकर गया और वहां उसने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद राकेश ने तीनों की लाश को बेसमेंट में ही गड्?डा खोदकर दफन कर दिया और ऊपर से फर्श बना दिया।

खुद को मृत दिखाने के लिए राकेश ने दोस्त को मार डाला: राकेश अपने ससुराल में लगातार झूठ बोलता रहा, लेकिन बेटी और उसके बच्चों से बात नहीं हुई तो राकेश के ससुर ने अगले ही दिन बेटी की किडनैपिंग का मामला दर्ज करा दिया। इस पर पुलिस ने राकेश से पूछताछ शुरू की तो वह डर गया और आनन-फानन में कासगंज पहुंच गया और यहां उसने अपने दोस्त राजेंद्र उर्फ कलुआ को गड़ासे से काटकर मार डाला। लाश को उसने ट्रैक पर फेंक दिया और पहचान छिपाने के लिए चेहरा बिगाड़ कर दिया। शव के पास राकेश ने अपनी ढ्ढष्ठ छोड़ दी, ताकि लोगों को लगे कि वह मर गया है। इसके बाद राकेश ने अपने भाई से कहकर हत्या का मुकदमा दर्ज करवा दिया।

7 की उम्र में सिक्स पैक एब्स बनाने वाली बच्ची: हर 3 महीने में ब्लड टेस्ट से तय होती है डाइट

जोधपुर। जोधपुर की एथलीट पूजा विश्नोई ने टीवी पर धूम मचा रखी है। 10 साल की पूजा ने अब तक कई नामी कंपनियों के साथ ऐड शूट किए हैं। पूजा ने 7 साल की उम्र में सिक्स पैक एब्स बनाकर अपनी अलग पहचान बनाई थी। वह जोधपुर से विराट कोहली फाउंडेशन की एक मात्र मेंबर है। हाल ही में पूजा ने महेन्द्र सिंह धोनी के साथ भी एक ऐड शूट किया है। जोधपुर के गुड़ा विश्नोइयां की पूजा पांच साल की उम्र में ही स्पोर्ट्स से जुड़ गई थीं। मामा श्रवण विश्नोई एथलीट थे। उन्होंने पूजा को मोटिवेट किया। एथलीट के रूप में तैयार किया। पूजा को क्रिकेट खेलना भी पसंद है। वह फास्ट बॉलर है। यही कारण है कि विराट कोहली फाउंडेशन पूजा के खेल और डाइट प्लान का ध्यान रखता है। पूजा की डाइट भी कैफे न्यूट्रीशन तय करता है। हर तीन माह में उसका ब्लड टेस्ट होता है। उसके हिसाब से उसे डाइट दी जाती है। विराट कोहली फाउंडेशन के 16 बच्चों में पूजा सबसे कम उम्र की है।

ये है डाइट

पूजा रोजाना प्रैक्टिस से पहले एक केला, नींबू का जूस, 15 से 20 खजूर और दो अंजीर खाती हैं। फिर प्रैक्टिस करने के बाद बाजरे की रोटी, एक कटोरी सब्जी-मूंग-चने, 10-12 बादाम, 5 से 6 पीस पिस्ता, 2 अखरोट और एक गिलास दूध भी पीती हैं।

विराट कोहली फाउंडेशन पूजा के खेल और डाइट प्लान का ध्यान रखता है।

विराट कोहली फाउंडेशन पूजा

अमेरिका ने अफगानिस्तान में गैर जिम्मेदार रवैया दिखाया

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के मुद्दे पर पाकिस्तान ने एक बार फिर दुनिया को वॉर्निंग दी है। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा है कि दुनिया अफगानिस्तान को इस मुश्किल वक्त में अकेला न छोड़े, क्योंकि इसके गंभीर और खतरनाक नतीजे सामने आ सकते हैं। कुरैशी के मुताबिक, अफगानिस्तान के हालात नहीं सुधरे और उसे इंटरनेशनल कम्युनिटी से मदद नहीं मिली तो यहां सिविल वॉर हो सकता है, आतंकी संगठन यहां फिर ठिकाने बना सकते हैं। उन्होंने इस मामले में अमेरिकी रवैये को भी गैर जिम्मेदार बताया। अफगानिस्तान मामले में पाकिस्तान की नीति को दुनियाभर में शक की नजर से देखा जा रहा है। उसकी फौज और खुफिया एजेंसियों पर तालिबान की मदद के आरोप सैकड़ों बार लग चुके हैं।

बेसमेंट में सो रहे परिवार सहित 8 लोगों की मौत, डेढ़ लाख घरों की बिजली गुल; न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में इमरजेंसी घोषित

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी सहित कई राज्यों में इडा हरिकेन ने कहर मचाया हुआ है। रविवार को शुरू हुए हरिकेन का असर अब भी है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक इन दो राज्यों में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 7 न्यूयॉर्क सिटी के रहने वाले थे, और 1 न्यूजर्सी का था। दोनों राज्यों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। न्यूजर्सी के पैसिक शहर के मेयर हेक्टर लोरा ने CNN को बताया कि उनके सामने एक 70 साल के व्यक्ति की लाश बाढ़ के पानी से निकाली गई। न्यूयॉर्क सिटी में एक ही परिवार के 4 लोग पानी में डूबकर मर गए। वे अपने घर के बेसमेंट में फंस गए थे। एक घंटे में 3.24 इंच बारिश होने के बाद एयरपोर्ट पर पानी भर गया। न्यूजर्सी के नेवार्क लिबर्टी एयरपोर्ट से उड़ने वाली सभी फ्लाइट्स को सस्पेंड कर दिया गया। हालांकि, कुछ जरूरी फ्लाइट्स बाद में शुरू कर दी गईं। जानकारी के मुताबिक बुधवार को पेंसलवेनिया के 1 लाख घरों में, और न्यूजर्सी के 50 हजार घरों में बिजली गुल रही। न्यूजर्सी के मुलिका हिल में 9 घर पूरी तरह से बर्बाद हो गए।

इडा तूफान से कई लोगों के घर बर्बाद हो गए। लुइसियाना में ऐसा ही एक परिवार अपना घर तबाह होने पर दुख मनाता हुआ।

न्यूज ब्रीफ

टोक्यो पैरालंपिक : आसान जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे प्रमोद भगत

टोक्यो। मौजूदा विश्व चैंपियन प्रमोद भगत ने यूक्रेन केओलेक्सांद्र चिरकोव को गुरूवार को 21-12, 21-9 से हराकर टोक्यो पैरालम्पिक्स के बैडमिंटन की पुरुष एकल एसएल 3 स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भगत ने यह मुकाबला मात्र 26 मिनट में जीता। भगत ने बुधवार को ग्रुप ए के अपने पहले मुकाबले में हमवतन मनोज सरकार को 21-10, 21-23, 21-9 से पयाजित किया था।

अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम को देश से बाहर निकालने के प्रयास जारी

वाशिंगटन। वे लड़कियां तालिबान से बचने के लिए अफगानिस्तान में एक जगह से दूसरी जगह छिप रही हैं। इन लड़कियों की जान को खतरा है क्योंकि इन्होंने उस खेल को चुना जिसे वे प्यार करती हैं। ये अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम की सदस्य हैं। अफगानिस्तान की राष्ट्रीय महिला टीम की सदस्यों, उनके परिवार के सदस्यों और फुटबॉल महासंघ के कर्मचारियों को देश के बाहर निकालने के प्रयासों को पिछले हफ्ते झटका लगा जब काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती आतंकी हमले में अफगानिस्तान के 169 नागरिक और 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए। ये लड़कियां अब डरी हुई हैं और चिंतित हैं कि क्या उन्हें और उनके परिवार वालों को देश से बाहर निकाला जा सकेगा। पूर्व चीफ आफ स्टाफ और राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल में वाइट हाउस के अधिकारी रहे रॉबर्ट मैकक्रीरी ने कहा कि वे युवा लड़कियां हैं जिन्हें खेलना चाहिए था, झूले झूलना चाहिए था, अपने दोस्तों के साथ खेलना चाहिए था और यहां वे काफी बुरी स्थिति में हैं और वह भी सिर्फ फुटबॉल खेलने के कारण। अफगानिस्तान के विशेष बल के साथ काम कर चुके रॉबर्ट ने कहा कि हमें उन्हें बचाने और सुरक्षित जगह पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। हवाई अड्डे पर आत्मघाती हमला इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों ने किया जो तालिबान के प्रतिद्वंद्वी हैं। अमेरिकी सेना भी स्वीकार कर चुकी है कि लोगों को अफगानिस्तान से बाहर निकालने के दौरान उन्होंने कुछ हद तक तालिबान के साथ कुछ हक तक समन्वय स्थापित किया था जिसने लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवाई अड्डे के आसपास चेकप्वाइंट बनाए थे और आखिरी दिनों में अमेरिकी नागरिको देश से बाहर निकालने में सहयोग किया।

रोनाल्डो ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया : सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल करने वाले फुटबॉलर बने

109 गोल करने वाले ईरान के अली देई को पीछे छोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

दुनिया के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने नया रिकॉर्ड बनाया है। वे इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वे ईरान के अली देई के 109 गोल से आगे हो गए हैं। उनके इंटरनेशनल गोल 111 हो गए हैं। वर्तमान में खेल रहा कोई भी अन्य इंटरनेशनल फुटबॉलर 100 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाया है। ये रिकॉर्ड रोनाल्डो ने वर्ल्ड क्वॉलिफायर में आयरलैंड के खिलाफ बनाया है। इस मैच में पुर्तगाल ने आयरलैंड को 2-1 से हराया।

टॉप -5 इंटरनेशनल गोल स्कोरर में रोनाल्डो अकेले एक्टिव प्लेयर

खिलाड़ी का नाम	देश	गोल	मैच
रोनाल्डो	पुर्तगाल	111	180
अली देई	ईरान	109	149
मोख्तार दहारी	मलेशिया	89	142
फेरेन पुस्कस	हंगरी	84	85
ग्रैंडफ्रे चितालू	जाम्बिया	79	111

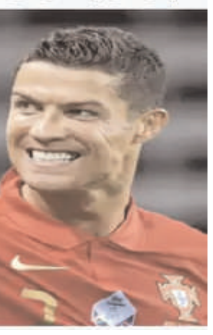

दोनों गोल हेड से किए

आयरलैंड के खिलाफ खेले गए वर्ल्डकप क्वॉलिफायर में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दोनों गोल हेड से किए और मैच में 88 मिनट तक आयरलैंड से पीछे रहने वाली पुर्तगाल टीम को जीत दिलाई। मैच के 45 वें मिनट में आयरलैंड के जॉन ईगन ने पहला गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उसके मैच के 89 वें मिनट में रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए पहला गोल कर स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला दिया। वहीं इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिलाई।

यूरो कप में भी सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड रोनाल्डो के नाम

36 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो महीने पहले यूरो कप 2020 में सबसे अधिक गोल करने के अली देई के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। वे यूरो कप में ओवरऑल सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। इस मामले में उन्होंने फ्रांस के पूर्व फुटबॉलर माइकल प्लातिनी का रिकॉर्ड तोड़ा था। प्लातिनी के 9 गोल हैं। रोनाल्डो ने 2004 यूरो कप में पुर्तगाल के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने इसी टूर्नामेंट में अपना डेब्यू गोल भी दागा था। तब से लेकर अब तक वे 5 यूरो कप में 14 गोल कर चुके हैं।

सबसे अधिक गोल क्वॉलिफायर में किए

रोनाल्डो ने सबसे ज्यादा इंटनेशनल गोल वर्ल्डकप क्वॉलिफायर में किए हैं। उन्होंने 33 गोल किए हैं। उसके बाद यूरोपियन चैंपियनशिप के क्वॉलिफायर में किए हैं, जिसमें उनके 31 गोल हैं। इनके अलावा इंटरनेशनल फ्रेंडली में 19 गोल, वर्ल्डकप में 7, UFA नेशंस लीग में 5 और कॉन्फेडरेशन कप में रोनाल्डो के नाम 2 गोल हैं।

मेसी 8 वें नंबर पर

अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी आठवें नंबर पर हैं और रोनाल्डो से 35 गोल पीछे हैं। मेसी अब तक 151 मैचों में 76 गोल कर चुके हैं। भारत के सुनील छेत्री 74 गोल के साथ 12वें नंबर पर हैं।

इंग्लैंड के पेस अटैक के सामने फिर लड़खड़ाया भारत का टॉप ऑर्डर

रोहित-राहुल के बाद पुजारा भी लौटे पवेलियन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला आज से केनिंग्टन ओवल में खेला जा रहा है। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले सत्र के खेल तक भारत का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 54 रन रहा। टीम के लिए कप्तान विराट कोहली (18) और रवींद्र जडेजा (2) के स्कोर पर नाबाद है।

खराब रही भारत की शुरुआत

इससे पहले भारत की शुरुआत काफी निराशाजनक देखने को मिली। रोहित शर्मा 27 गेंदों पर 11 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हुए, जबकि ओली रोबिंसन ने केएल राहुल (17) को आउट कर भारत को दूसरा झटका पहुंचाया। राहुल [illegible] आउट हुए। हालांकि उन्होंने [illegible] लिया, लेकिन वह उनके हक में नहीं गया और राहुल आउट होकर पवेलियन लौटे।

11वीं बार एंडरसन का शिकार बने पुजारा

चेतेश्वर पुजारा भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे और 4 रन बनाकर जेम्स एंडरसन की गेंद पर आउट हुए। भारत ने 39 पर अपना तीसरा विकेट गंवाया। टेस्ट क्रिकेट में यह 11वां मौका रहा, जब एंडरसन ने पुजारा को आउट किया हो।

विराट ने रचा इतिहास

विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 23,000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। कोहली ने 490 पारियों में यह रिकॉर्ड बनाया और सचिन तेंदुलकर (522) को पीछे छोड़ दिया। विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23 हजार रन बनाने वाले भारत के तीसरे और दुनिया के सातवें खिलाड़ी बने।

काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरी भारतीय टीम

चौथे टेस्ट में टीम इंडिया काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरी है। टीम के खिलाड़ियों ने मुंबई क्रिकेट के अनुभवी कोच वासुदेव परांजपे को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधी है। वासुदेव परांजपे का 30 अगस्त को लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया था। जेम्स एंडरसन घरेलू सरजमीं पर सबसे ज्यादा टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। एंडरसन का इंग्लैंड में यह 95वां टेस्ट मैच हैं। उनसे पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर दर्ज था। सचिन ने भारत में 94 टेस्ट खेले थे। सचिन के बाद रिकी पोंटिंग 92 और एलिस्टर कुक 89 का नाम आता है।

दोनों टीमों में हुए दो बदलाव:- इंग्लैंड ने टीम में जोस बटलर के स्थान पर ओली पोप और सैम करन की जगह क्रिस वोक्स को टीम में शामिल किया, जबकि भारत की प्लेइंग इलेवन में भी दो चेंज देखने को मिले। शमी की जगह शार्दूल ठाकुर और इशांत शर्मा की जगह उमेश यादव को मौका मिला।

दर्शकों से चिढ़ गए नोवाक जोकोविच

लंदन। वर्ल्ड नंबर-1 और 20 ग्रैंड स्लैम अपने नाम कर चुके सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जगह बना ली है। जोकोविच ने पहले राउंड के मैच में डेनमार्क के 18 साल के युवा खिलाड़ी होल्गर रुने को 6-1, 6-7, 6-2, 6-1 से हराया। रुने का यह पहला ग्रैंड स्लैम मुकाबला था। उन्होंने जिस तरह जोकोविच को दूसरे सेट में टक्कर दी और हराया उससे अमेरिकी दर्शक उनपर फिदा हो गए। वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच को यह दर्शकों का यह रुख पसंद नहीं आया।

न हैंड वेव न थैंक यू

सीधा लॉक रूम चले गएमैच के बाद अक्सर दोनों खिलाड़ी दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हैं। जोकोविच भी ऐसा जरूर करते हैं। लेकिन, उनके प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को मिले ज्यादा सम्मान से संभवत: वह नाराज हो गए। मुकाबला खत्म होते ही वे सीधा लॉकर रूम चले गए। उन्होंने दर्शकों की ओर न तो हैंड वेव किया और न ही थैंक यू कहा। नोवाक जोकोविच पिछले कुछ सालों में सबसे ज्यादा दबदबा रखने वाले खिलाड़ी साबित हुए हैं।

युमा यामाजाकी, जापान की अनदेखी, सरीना सतोमी के साथ, टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में महिला युगल डब्ल्यूएच बैडमिंटन ग्रुप प्ले स्टेज में दक्षिण कोरिया की जंग कुम कांग और सुन ली के खिलाफ खेलती हुई।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक

SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021

खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022

Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

टोक्यो पैरालिंपिक : अरूणा तंवर चोट की वजह से क्वार्टरफाइनल से हटीं

» राहुल जाखड़ SH1के 25 मीटर P3 मिक्स्ड इवेंट में मेडल से चूके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

टोक्यो पैरालिंपिक में नौवें दिन भारतीय एथलीटों के शुरुआत अच्छी रही। भारत की प्राची यादव कैनो स्प्रिंट में शानदार शुरुआत करते हुए सेमीफाइनल में पहुंच गई है। वहीं बैडमिंटन में सुहास एलवाई और तरुण ढिल्लन भी अपना- अपना मुकाबला जीतकर अगले दौर में पहुंच गई हैं। अरुणा तंवर क्वार्टर फाइनल से हट गई हैं। भारतीय निशानेबाज राहुल जाखड़ 25रू पिस्टल SH1 कैटेगिरी में मिक्स्ड इवेंट में पांचवें स्थान पर रहे। जाखड़ दूसरे राउंड के एलिमिनेशन राउंड में 2, 4, 1 और 1 का स्कोर बनाए। इस राउंड में उन्होंने कुल 12 स्कोर किया। इससे पहले उन्होंने प्रिसिजन और रैपिड राउंड के समापन के बाद 576 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर थे।

प्राची चौथे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में एंट्री

भारत की प्राची यादव ने महिलाओं की सिंगल्स 200 मीटर वीएल-2 स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई। उन्होंने निर्धारित दूरी 1=11.098 के समय के साथ पूरी की। सेमीफाइनल मुकबाला 3 सितंबर को होगा।

बैडमिंटन में सुहास और तरूण ढिल्लन का शानदार प्रदर्शन

बैडमिंटन में पुरुष सिंगल्स के एसएल-4 मुकाबले में सुहास एल यथिराज और तरुण ढिल्लन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। सुहास ने जर्मनी के अपने प्रतिद्वंदी निकलास जे पॉट को 2-0 से शिकस्त दी। वहीं तरुण ढिल्लन ने भी थाईलैंड के खिलाड़ी सिरिपॉन्ग को सीधे सेटों में 2-0 से हरा दिया। तरुण ने पहला गेम 21-7 से अपने नाम किया। वहीं दूसरे गेम में थाई खिलाड़ी ने वापसी करने की जोरदार कोशिश की। एक समय दोनों खिलाड़ी दूसरे गेम में 4-4 की बराबरी पर थे। लेकिन तरुण ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दूसरा गेम में 21-13 के अंतर से जीता।

न्यूज ब्रीफ

सितंबर में ज्यादा बारिश मगर नहीं होगी भरपाई

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अगस्त में अत्यंत कमजोर रहने के बाद सितंबर में बेहतर रहने के आसार हैं। सितंबर में बारिश लंबी अवधि के औसत (एलपीए) की 110 फीसदी से अधिक रहने का अनुमान है, लेकिन यह पूरे सीजन की कमी की भरपाई करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक जून से सितंबर तक के मॉनसून सीजन में कुल बारिश अब एलपीए की करीब 96 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सामान्य दायरे के निचले छोर पर होगी। एलपीए की 96 से 104 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य माना जाता है। इन चार महीनों के मॉनसून सीजन का एलपीए 89 सेंटीमीटर है। अकेले सितंबर का एलपीए करीब 17 सेंटीमीटर है, जो चार महीनों के मॉनसून सीजन में सबसे कम है। ऐसे में सितबर में भारी बारिश होने पर यह पूरे सीजन की कमी की भरपाई नहीं कर पाएगी। हालांकि इससे आगामी रबी फसलों के लिए संभावनाएं सुधरेंगी और जलाशय भर जाएंगे। अगस्त में मॉनसून सामान्य से करीब 24 फीसदी कम रहा, जो वर्ष 1901 से छठा सबसे सूखा अगस्त रहा। जुलाई में भी मॉनसून सामान्य से सात फीसदी कम रहा था। जुलाई और अगस्त मॉनसून सीजन के दो सबसे अहम महीने हैं क्योंकि ज्यादातर बारिश इन्हीं महीनों में होती है। केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, %कृषि के नजरिये से, मुझे नहीं लगता कि सितंबर में मॉनसून में सुधार से खरीफ फसलों के लिए संभावनाओं में बड़ा इजाफा होगा क्योंकि बुआई लगभग पूरी हो चुकी है और तिलहन, मोटे अनाज एवं कपास के रकबे में जो कमी है, वह बनी रहेगी। लेकिन सितंबर में अच्छी बारिश जलाशयों को भरने में मददगार रहेगी। इसके बावजूद तिलहन और कपास की कीमतों को लेकर चिंता बरकरार है।

साइबर धोखाधड़ी रोकने वालों की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। कई लोग आजकल वित्तीय और ई-कॉमर्स लेनदेन के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं जिसकी वजह से एक विशेष क्षेत्र में रोजगार सृजन हो रहा है। महामारी के दौरान इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन में बढ़ती तकनीकी धोखाधड़ी से निपटने में मदद करने वाले विशेषज्ञों की मांग बढ़ी है। रोजगार और मानव संसाधन सेवा कंपनी टीमलीज सर्विसेज के मुताबिक तकनीकी धोखाधड़ी (टेक फ्रॉड) से निपटने वाले विशेषज्ञों की मांग 35 फीसदी से अधिक बढ़ी है। इस मांग में वित्तीय सेवा कंपनियों और ई-कॉमर्स कंपनियों का बड़ा योगदान है। इस क्षेत्र के रुझान पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि कई कंपनियों को यह आसान लगता है कि इस तरह की समस्याओं का प्रबंधन किसी एक सलाहकार कंपनी को आउटसोर्स कर दिया जाए।

डिजिटल बाजार में फेसबुक और शाओमी के बीच कांटे की टक्कर, फेसबुक बिना गारंटी लोन देगी

75 लाख करोड़ रुपए के बाजार पर नजर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत का डिजिटल मॉर्गेज का मार्केट फेसबुक से लेकर शाओमी जैसी कंपनियों के लिए अब एक युद्ध के मैदान में बदल रहा है। हाल फिलहाल कई प्लेयर्स 75 लाख करोड़ रुपए के इस कारोबार में पैर जमाने की तलाश में हैं। फेसबुक ने पिछले महीने कहा था कि भारत वह पहला देश हो सकता है जहां वह अपने प्लेटफॉर्म पर कर्ज उपलब्ध कराएगी।

बिना कोलैटरल के मिलेगा कर्ज

गूगल ने कहा कि इसे लघु उद्योग कर्ज कार्यक्रम के रूप में शुरू किया जाएगा। यह लोन कोलैटरल के बिना 17 फीसदी से 20 फीसदी की ब्याज दर पर मिलेगा। इसके तहत 5 लाख से 50 लाख रुपए तक का कर्ज मिलेगा। प्रेस बिलीफ ऑफ इंडिया के कंट्री हेड मनु जैन का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सोशल मीडिया की एंट्री शाओमी के साथ मेल खाती है। यह चीनी कंपनी कुकर से लेकर गेमिंग स्क्रीन तक बनाती है।

बैंकों के साथ साझेदारी की योजना

अब शाओमी की प्लानिंग देश के कई बड़े बैंकों और स्टार्टअप डिजिटल के साथ साझेदारी करना है। इसके तहत लोन, डेबिट-क्रेडिट कार्ड और बीमा उत्पाद देने की है। प्रासेस एनवी ने इसी हफ्ते कहा कि वह 34,376 करोड़ रुपए में भारतीय ऑनलाइन फंड कंपनी बिलडेस्क को खरीदेगी। एशियाई देशों में अब तक का यह सबसे बड़ा अधिग्रहण है।

अमेजन ने किया अधिग्रहण

अमेजन डॉट कॉम ने भी पिछले महीने देश के वेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन सेक्टर में अपनी पहली फंडिंग की। गूगल भी अपनी फंडिंग बढ़ा सकती है। गूगल अपने गूगल पे प्लेटफॉर्म पर डिजिटल गोल्ड, म्यूचुअल फंड जैसे वेल्थ मैनेजमेंट उत्पाद की सेवा अभी देती है। अब यह अपने ग्राहकों के लिए टाइम डिपॉजिट शुरू करने के लिए छोटे भारतीय बैंकों के साथ करार कर रही है।

कोरोना में बढ़ा डिजिटल लेन-देन

महामारी के दौरान ऑनलाइन लेन-देन बढ़ा है। हालांकि बेतहाशा कर्ज में वृद्धि के बाद ट्रेडिशनल बैंकर्स सतर्क मोड में आ गए हैं। इससे भारत का डिजिटल फंड बाजार कुछ बड़ी टेक कंपनियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के अनुमान के अनुसार, डिजिटल लेंडिंग का बाजार 2023 तक तीन गुना बढ़कर 350 अरब डॉलर हो सकता है। 2024 तक कुल 75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है।

ग्राहक डिजिटल अनुभवों के लिए तैयार

भारतीय ग्राहक बेहतर रूप से डिजाइन किए गए डिजिटल अनुभवों के लिए तैयार हैं। इसलिए बहुत सारी कंपनियां इस अवसर को भुनाने की ताक में बैठी हैं। इसमें देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज, अमेजन और अन्य कंपनियां भी हैं। अमेजन हालांकि फ्यूचर और रिलायंस इंडस्ट्रीज की डील में फंसी है। हाल में कोर्ट ने इस मामले में अमेजन के पक्ष में फैसला दिया है।

लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ सोना, बीते 1 साल में 9 हजार रुपए कम हुई कीमत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन सोने की चमक कम हुई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार गुरुवार को सर्राफा बाजार में सोना 63 रुपए सस्ता होकर 47,224 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। हालांकि वायदा बाजार में आज सोने में बढ़त देखने को मिल रही है। स्न्न्ङ्ग पर दोपहर 1 बजे सोना 44 रुपए की बढ़त के साथ 47,112 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

चांदी की चमक बढ़ी:- सर्राफा बाजार में आज चांदी 734 रुपए महंगी होकर 63,691 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं MCX पर ये दोपहर 1 बजे 11 रुपए की बढ़त के साथ 63,851 रुपए पर ट्रेड कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी महंगे हुए:- अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की चमक कम हुई है। सोना 1,815 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया है। चांदी भी 24 डॉलर प्रति औंस के ऊपर कारोबार कर रही है।

1 साल में 9 हजार रुपए सस्ता हुआ सोना

पिछले साल कोरोना की पहली लहर के दौरान लोगों ने सोने में जमकर निवेश किया था। इसके चलते सोना अगस्त 2020 में 56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया था। अब सर्राफा बाजार में सोना 47,224 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी अब भी 8,976 रुपए सस्ता मिल रहा है।

साल के आखिर तक 50 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि शेयर बाजार के मजबूत होने से सोने में थोड़ी गिरावट देखी गई है। लेकिन कोरोना की तीसरी लहर के चलते सोना आने वाले दिनों में फिर महंगा हो सकता है। इस साल के आखिर तक ये 50 हजार रुपए तक जा सकता है।

एक ही झटके में करोड़पति बन गया मछुआरा

नई दिल्ली। ऊपरवाला देता है, तो छप्पर फाड़ कर देता है। यह कहावत मुंबई के नजदीक पालघर के एक मछुआरे के लिए सही साबित हुई। मॉनसून के दौरान समुद्र में खतरे की वजह से चंद्रकांत तरे लंबे समय से घर में बैठे थे। मछलियां न पकड़ पाने की वजह से परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं चल रही थी। लेकिन किस्मत ऐसी पलटी कि वह एक ही झटके में करोड़पति बन गए। मॉनसून के हालात थोड़ा सही हुए तो चंद्रकांत अपने साथियों के साथ एक बार फिर समुद्र में मछली पकडने गए। उन्होंने ऐसा जाल फेंका कि उनकी चांदी हो गई। उनके जाल में एक-दो नहीं, पूरे 157 घोल मछलियां फंस गईं, जिसने चंद्रकांत को करोड़पति बना दिया। इन घोल मछलियों को चंद्रकांत ने 1 करोड़ 33 लाख रुपये में बेचा है।

प्री-कोविड लेवल पर आ सकती है जीडीपी

स्ट्रॉन्ग जीडीपी डेटा से उत्साहित सरकार बढ़ा सकती है ग्रोथ एस्टीमेट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

सरकार ने जून तिमाही की जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े मंगलवार को जारी किए। इसमें 20.1 फीसदी का तेज उछाल आया, जो ब्लूमबर्ग के सर्वे में शामिल अर्थशास्त्रियों के अनुमानों के औसत, 20 फीसदी के करीब था। मसला यह है कि जीडीपी ग्रोथ में भले ही 'V' शेप में रिकवरी हुई हो लेकिन इकोनॉमी तिमाही आधार पर कोविड से पहले के लेवल से काफी नीचे है। वित्त वर्ष 2021-22 की जून तिमाही में जीडीपी 32,38,020 करोड़ रुपए रही जो वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में 35,66,708 करोड़ रुपए थी। कोविड के चलते हुए लॉकडाउन से पिछले साल यह घटकर 26,95,421 करोड़ रुपए रह गई थी। आने वाले हफ्तों में बढ़ाया जा सकता है जीडीपी ग्रोथ का एस्टीमेट

हालांकि, सरकार जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ के स्ट्रॉन्ग डेटा को लेकर उत्साहित है। उसका कहना है कि जीडीपी का स्ट्रॉन्ग डेटा आने वाली तिमाहियों में टिकाऊ ग्रोथ का आधार बन सकता है। मंगलवार को नीति आयोग के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने कहा था कि आने वाले हफ्तों में जीडीपी ग्रोथ का एस्टीमेट बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एसेट क्रिएशन के लिए खर्च बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया था। उसका असर अब दिख रहा है।

एफडी कराने से पहले अवधि और इस पर लगने वाले टैक्स सहित इन बातों का रखें ध्यान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सुरक्षित और एक तय रिटर्न मिलने के कारण फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी को निवेश का एक अच्छा साधन माना जाता है, लेकिन एफडी में बिना सोचे-समझे निवेश करना भी ठीक नहीं है। एफडी कराते समय इसकी अवधि और एफडी तुड़वाने पर लगने वाली पेनल्टी सहित कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए। हम आज आपको ऐसी ही 6 बातों के बारे में बता रहे हैं...

सही टेन्योर चुनना जरूरी

एफडी में निवेश करने से पहले उसके टेन्योर (अवधि) को लेकर सोच-विचार करना जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर निवेशक मेच्योरिटी से पहले विड्रॉल करते हैं, तो उन्हें जुर्माने का भुगतान करना होगा। एफडी मेच्योर होने से पहले उसे ब्रेक करने पर 1 फीसदी तक की पेनल्टी देनी पड़ेगी।

एक ही एफडी में न लगाएं पूरा पैसा:- यदि आप किसी एक बैंक में एफडी में 10 लाख रुपए का निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो इसकी जगह एक से ज्यादा बैंकों में 1 लाख रुपए की 8 एफडी और 50 हजार रुपए की 4 एफडी में निवेश करें। इससे बीच में पैसों की जरूरत पड़ने पर आप अपनी जरूरत के हिसाब से एफडी को बीच में ही तुड़वाकर पैसों की व्यवस्था कर सकते हैं। आपकी बाकी एफडी सेफ रहेंगी।

एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर ही देना होता है टैक्स:- आपकी एफडी से मिलने वाले ब्याज पर इनकम टैक्स स्लैब के मुताबिक टैक्स लगता है। अगर एफडी पर कमाया गया ब्याज एक वित्तीय वर्ष में 10 हजार रुपए से ऊपर होता है, तो उस ब्याज पर ञ्जष्ठस् डिडक्शन होता है। यह कुल कमाए गए ब्याज का 10 फीसदी होगा। सीनियर सिटीजंस के लिए ये लिमिट 50 हजार है। हालांकि अगर आपकी आय टैक्सेबल रेंज से कम है, तो आप एफडी पर ञ्जष्ठस् डिडक्शन नहीं होने देने के लिए बैंक को फॉर्म 15त्र और फॉर्म 15 ॥ सब्मिट कर सकते हैं।

ब्याज का विड्रॉल:- बैंकों में पहले तिमाही और सालाना आधार पर ब्याज का विड्रॉल करने का ऑप्शन था। अब कुछ बैंकों में मासिक विड्रॉल भी कर सकते हैं। आप अपनी जरूरत के हिसाब से इसे चुन सकते हैं।

समय से पहले एफडी तुड़वाने पर देनी होगी पेनल्टी:- अगर आप समय से पहले एफडी तुड़वाते हैं तो आपको उस दर से जिस पर आपने एफडी की है, वह ब्याज नहीं मिलता है। जैसे मान लीजिए कि आपने 1 लाख रुपए की एफडी 1 साल के लिए 6 फीसदी की दर से की, लेकिन आप उसे 6 महीने बाद ही तोड़ देते हैं और 6 महीने की एफडी पर 5 फीसदी सालाना की दर से ब्याज मिल रहा है, तो ऐसे में बैंक आपके पैसों पर 5 फीसदी की दर से ब्याज देगा, न कि 6 फीसदी की दर से।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।